तापमान
अधिकतम 40 .7 डिग्री
न्यूनतम 27 .9 डिग्री

हरिभूमि
हिसार भूमि
रोहतक, रविवार, 22 जून 2025

12 योग स्वस्थ जीवन का आधार, सशक्त राष्ट्र की...

11 फाइनल मुकाबले में चैनत को हरा मसूदपुर गांव..

खबर संक्षेप

एसपी की मेडिकल स्टोर संचालकों के साथ बैठक

हांसी। पुलिस अधीक्षक अमित यशवर्धन ने अपने कार्यालय में मेडिकल स्टोर संचालकों के साथ एक बैठक की। बैठक का उद्देश्य नशीली दवाइयों की अवैध बिक्री पर रोक लगाना तथा साइबर अपराधों को लेकर जागरूकता फैलाना था। बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक ने मेडिकल संचालकों को स्पष्ट हिदायत दी कि वे किसी भी स्थिति में प्रतिबंधित या नशीली दवाइयों की बिक्री न करें। उन्होंने कहा कि पुलिस प्रशासन जहां मादक पदार्थ तस्करों पर लगातार सख्त कार्रवाई कर रहा है, वहीं अब मेडिकल स्टोर्स की भी गहन निगरानी की जाएगी। यदि कोई संचालक नशे के व्यापार में संलिप्त पाया गया, तो उसके विरुद्ध सख्त कानूनी कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। एसपी ने बताया कि मेडिकल स्टोर अन्य व्यक्तियों के नाम पर रजिस्ट्रेशन करवा कर संचालित किए जा रहे हैं। ऐसे मामलों की जांच की जाएगी और जिन स्टोर्स में अनियमितताएं पाई जाएंगी, उनका रजिस्ट्रेशन रद्द करवाकर कार्रचाई की जाएगी।

सरकार द्वारा गठित समिति से की बात, छात्रों ने सौंपे दस्तावेज

हकृवि में विद्यार्थियों का धरना जारी राष्ट्रपति व राज्यपाल को भेजा पत्र

धरने की शुरुआत अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योगाभ्यास करके की गई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न मांगों को लेकर किया जा रहा आंदोलन शनिवार को 12वें दिन भी जारी रहा। सुबह धरने की शुरुआत अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योगाभ्यास करके की गई। आंदोलन के चलते कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष उदयभान के अलावा कांग्रेस के अनेक नेता समर्थन देने पहुंचे वहीं आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सुशील अरोड़ा ने सड़क से संसद तक संघर्ष करने का ऐलान किया। उधर, सरकार द्वारा गठित चार सदस्यीय कमेटी के साथ भी छात्रों की बातचीत देर रात तक जारी रही। इससे पहले आंदोलन की कड़ी में विद्यार्थियों से बातचीत करने पहुंची मंत्रियों की समिति से मिलने के लिए उनका 12 सदस्यों का प्रतिनिधिमंडल उपायुक्त कार्यालय पहुंचा और मंत्रियों के समक्ष अपनी बात रखी। छात्रों ने मंत्रियों की समिति के समक्ष चिकित्सा रिपोर्ट, वीडियो साक्ष्य और गवाहियों के साथ एक दस्तावेज़ी फाइल प्रस्तुत की। छात्रों के प्रतिनिधिमंडल ने सीधे तौर पर न्याय की मांग करते हुए समिति से अपील की कि निष्पक्षता और समयबद्धता सुनिश्चित की जाए।

इसके अलावा छात्रों ने राष्ट्रपति को खून से पत्र लिखकर न्याय मांगा है। पत्र में उन्होंने 10 जून को हुए लाठीचार्ज, प्रशासनिक दमन और छात्रवृत्ति कटौती जैसे मुद्दों को उठाते हुए कहा

कि यह हमला केवल छात्रों पर नहीं, बल्कि संविधान पर था। पत्र में उन्होंने न्यायिक जांच, दोषियों की बर्खास्तगी और विश्वविद्यालय में छात्र अधिकारों की बहाली की मांग दोहराई। इसके अलावा कुलपति की बर्खास्तगी की मांग करते हुए राज्यपाल को भी पत्र भेजा गया।

हिसार। धरनास्थल पर योग करते आंदोलनकारी विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

कई नेता पहुंचे धरने को समर्थन देने

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष उदयभाव, सांसद सोनीपत के सांसद सत्यपाल ब्रह्मचारी, आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सुशील गुप्ता, पार्टी नेता रणबीर लोहान के अलावा डॉ. अनिल रंगा, राजेंद्र सिंह सोरखी, विरेंद्र नरवाल, उधम सिंह नागोके, अविनाश यादव, रोहित दलाल व संजना सातरोड़ सहित अनेक नेता पहुंचे और छात्रों की मांगों का समर्थन किया।

हकृवि में स्थगित की गई परीक्षाएं 23 व 24 को

- शनिवार को 161 विद्यार्थियों ने दी परीक्षा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों की नियमित परीक्षाएं शांतिपूर्ण ढंग से चल रही हैं। विद्यार्थियों का परीक्षाओं के प्रति रुझान लगातार बढ़ता जा रहा है। विश्वविद्यालय में 21 जून को 161 विद्यार्थियों ने अपनी नियमित परीक्षा दी।अनुसंधान निदेशक एवं कोर्डिनेशन कमेटी के अध्यक्ष डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा शुरू में विद्यार्थियों की जो परीक्षाएं स्थगित की गई थी वे अब 23 व 24 जून को आयोजित की जाएंगी। उन्होंने विद्यार्थियों से अनुरोध करते हुए कहा है कि वे अपनी परीक्षाएं देने के लिए अवश्य आएं।

रिश्वत लेते पकड़े गए सब इंस्पेक्टर को एक दिन के रिमांड पर भेजा

- पुलिस अधीक्षक ने आरोपी सब इंस्पेक्टर को किया सस्पेंड
- अदालत ने आगामी पूछताछ के लिए एक दिन के रिमांड पर एसीबी को सौंप दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

रिश्वत लेते पकड़े गए सिविल लाइन थाना के सब इंस्पेक्टर रामनिवास को अदालत ने आगामी पूछताछ के लिए एक दिन के रिमांड पर एसीबी को सौंप दिया है। इससे पहले एसीबी ने उसे अदालत में पेश करके इस मामले में जांच व पूछताछ के लिए उसका रिमांड मांगा, जिसे अदालत ने स्वीकार कर दिया। उधर, पुलिस अधीक्षक शशांक सावन ने रिश्वत लेते पकड़े गए सब इंस्पेक्टर रामनिवास को निलंबित कर दिया है।

इस संबंध में करनाल के इन्द्री निवासी बलवान सिंह ने शुक्रवार को एसीबी को शिकायत देते सब इंस्पेक्टर पर रिश्वत मांगने का आरोप लगाया था। शिकायत के अनुसार सिविल लाइन पुलिस ने वर्ष 2023 में उसके बेटे देवेन्द्र के खिलाफ धोखाधड़ी, अमानत में खयानत करने और जान से मारने की धमकी देने का केस दर्ज किया था।

शिकायतकर्ता जांच अधिकारी एसआई रामनिवास से मिला तो उसने कहा कि वह केस से कुछ धाराएं हटा देगा लेकिन इसके बदले 20 हजार रुपये देने होंगे। बाद में 15 हजार रुपए में सौदा हुआ और शिकायतकर्ता ने मामले की शिकायत एसीबी को कर दी। एसीबी ने इंस्पेक्टर सतपाल के नेतृत्व में टीम गठित कर दी और जैसे ही सब इंस्पेक्टर रामनिवास ने 15 हजार रुपये लिए तो उसे रंगे हाथों काबू कर लिया।

पुलिस ने सीलिंग प्लान के दौरान 751 वाहनों को चैक कर 41 वाहनों का किया चालान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

जिला पुलिस द्वारा शुक्रवार को शाम 7 से रात 10 बजे तक सीलिंग प्लान के तहत 27 स्थानों पर नाकाबंदी करके वाहनों की जांच की गई। पुलिस अधीक्षक अमित यशवर्धन ने नाकों का दौरा कर वहां तैनात पुलिस कर्मियों को आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए कहा की हर संदिग्ध वाहन को बारीकी से चैक करें और कोई कमी पाई जाती हैं तो कार्रवाई करें। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं कि जाएगी। सीलिंग प्लान किसी भी आपात स्थिति से निपटने व अपराध को अंजाम देकर भागने वाले अपराधियों को पकड़ने व अपराधों की रोकथाम के लिए जिला पुलिस द्वारा किया जाता है। सीलिंग प्लान के दौरान नाकाबंदी करके 751 वाहनों को चेक किया गया तथा 5 वाहन चालकों के ड्रिंक एंड ड्राइव सहित नियमों के उल्लंघन पर 41 वाहनों के चालान किए गए।

पत्नी की जलाकर हत्या करने वाला आरोपी गिरफ्तार

- घरेलू कलह होने के कारण आरोपी अपनी पत्नी से रंजिश रखता था, इस लिए की हत्या

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

शहर थाना पुलिस ने पत्नी करने वाले को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान विकास नगर कालोनी निवासी सन्नी के रूप में हुई है। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार पकड़े गए आरोपी सन्नी ने 2 जून को अपनी पत्नी पर पैट्रोल छिड़क कर उसे आग लगा दी थी।

आग लगने से झुलसी महिला की हिसार नागरिक अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई थी। पकड़े गए आरोपी सन्नी ने प्रारम्भिक पूछताछ में बताया कि घरेलू कलह होने के कारण वह अपनी पत्नी से रंजिश रखता था और घरेलू कलह की वजह से उसके साथ अक्सर मारपीट करता था।

घरेलू कलह के चलते उसने दो जून को अपनी पत्नी पर पैट्रोल छिड़कर उसे आग लगाकर दी और मौके से फरार हो गया जिसकी बाद में उपचार के दौरान मौत हो गई। शहर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत मेंभेज दिया गया।

हांसी। पत्नी की जलाकर हत्या करने वाला आरोपी पुलिस गिरफ्त में।

BRCM EDUCATION SOCIETY
Bahal-127028, Bhiwani (HARYANA)
Transforming Values with Commitment...

BRCM HIGHER EDUCATION INSTITUTIONS — ADMISSION OPEN FOR SESSION 2025-26

BRCM COLLEGE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY
Engineering New Vision...
Estd. 1999
Approved by AICTE, New Delhi & Affiliated to MDU, Rohtak
Recognized Under Section 2 (f) & 12 (B) of the UGC Act, 1956)
NAAC Accredited B+ Grade with 2.67 CGPA
NBA Accredited In B. Tech CSE & EE

PROGRAMS OFFERED

B.Tech.
- Computer Science & Engineering
- Civil Engineering
- Electrical Engineering
- Mechanical Engineering

M.Tech.
- Computer Science & Engineering
- Electrical & Electronics Engineering
- Structural Engineering

For Further Information Please Contact
Ph. No. - 8059900243, 8059900247
E-Mail : infocollege@brcm.edu.in
Website : www.brcmcet.edu.in

GDC MEMORIAL COLLEGE
Your Potential - Our Passion...
Estd. 2011
Approved by Govt. of Haryana
Permanently Affiliated to Chaudhary Bansi Lal University, Bhiwani
NAAC Accredited 'B' Grade (Second Cycle)

COURSES OFFERED

UG Courses
- B.Com. (Pass)
- B.A. (Bachelor of Arts)
- B.Sc. (Life Science/Medical)
- B.Sc. (Phy. Sci./Non-Med./Comp. Sci.)
- BPES (Phy. Edu. and Sports)
- B.Sc. Agriculture (Hons.)

PG Courses
- M.Sc. - Mathematics
- M.Sc. - Physics
- M.Sc. - Chemistry
- M.Sc. - Geography
- M.A. - History
- M.Com.
- M.Sc. - Psychology* (*Proposed New Course)

For Further Information Please Contact
Ph. No. - 9992000335, 9992500750, 9991500408
E-Mail : infogdc@gdccollege.edu.in | Website : www.gdccollege.edu.in

BRCM LAW COLLEGE
Where Knowledge is for Justice...
Estd. 2018
Approved by Govt. of Haryana and
Bar Council of India, New Delhi
Affiliated to Chaudhary Bansi Lal University, Bhiwani

COURSES OFFERED
- LL.B. - 3 Years Course
- B.A.LL.B. - 5 Years Integrated Course
- LL.M. - 2 Years Course

Special Features
- Moot Court Competitions
- Internship Opportunities

For Further Information Please Contact
Ph. No. - 9991500274, 9992500397
E-Mail : infolawcollege@brcm.edu.in
Website : www.brcmlawcollege.edu.in

BRCM SCHOOL EDUCATION INSTITUTIONS — ADMISSION OPEN FOR SESSION 2025-26

BRCM PUBLIC SCHOOL
SHISHUKUNJ
CO-EDUCATIONAL SCHOOL AFFILIATED TO CBSE
JUNIOR WING
Ph. No. - 9992500733, 9992500507
E-Mail : infoshishukunj@brcm.edu.in | Website : www.brcmshishukunj.com

BRCM GYANKUNJ SCHOOL
(Day-Cum-Boarding School)
CO-EDUCATIONAL SCHOOL AFFILIATED TO CBSE
SENIOR WING — Science, Commerce & Humanities
Ph. No. - 9992500855, 9992206600
E-Mail : infogyankunj@brcm.edu.in | Website : www.brcmgyankunj.edu.in

SAINIK SCHOOL SOCIETY
(MINISTRY OF DEFENCE)
has approved
BRCM SAINIK SCHOOL
Ph. No. - 9992500855, 9992206600
E-Mail : infogyankunj@brcm.edu.in | Website : www.brcmgyankunj.edu.in

www.brcm.edu.in | brcmgoi | brcmes | brcmes | brcmes | brcmes | vidyagram | brcmes

पहली सैलरी से शुरू करें एसआईपी, हर इंक्रीमेंट पर टॉप अप, खूब बढ़ेगा पैसा

- कमाई में 5% सालाना हाइक जल्द बना देगी आपको करोड़पति
- इंक्रीमेंट को रोज की जरूरतों पर खर्च करने के बजाय निवेश करें
- इससे आप कम समय में ही अच्छा पैसा जुटाने में सक्षम होंगे
- इंक्रीमेंट के पैसों का सही इस्तेमाल बड़ा कॉर्पस तैयार करेगा

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

अगर आप भी जल्द करोड़पति बनना चाहते हैं तो सधे कदमों से लक्ष्य तय कर निवेश करें। कोशिश करें कि अपनी पहली सैलरी आते ही कम से कम उसका 5 फीसदी हिस्सा निवेश करें। इसके बाद हर इंक्रीमेंट पर टॉपअप के रूप में अपने निवेश को बढ़ाते जाएं। इससे आपका पैसा खूब बढ़ेगा और आप कम समय में ही करोड़पति बनने के अपने लक्ष्य को पूरा कर लें। चूंकि इसमें कंपाउड आपके पैसे को दिन दूनी और रात चौगुनी गति से बढ़ाएगा। आप कम समय में ही अमीर बन जाएंगे। क्या हाल फिलहाल में आपकी सैलरी में भी एनुअल इंक्रीमेंट हुआ है। यह सालाना इंक्रीमेंट आमतौर पर सैलरी का 5 से 10 फीसदी या और अधिक भी हो सकता है। इसका मतलब है कि इंक्रीमेंट पाने वालों की सैलरी अब बढ़कर आ रही होगी या आएगी। आप इस इंक्रीमेंट के पैसों को किस तरह से देखते हैं। क्या इसे आप अपनी रोज की जरूरतों पर ही खर्च करना चाहते हैं, या इसका इस्तेमाल आप अपने लिए फाइनेंशियल प्लानिंग में करना चाहेंगे। अगर आप इन अतिरिक्त पैसों का सही इस्तेमाल करें तो लंबी अवधि में इसी 5 से 10 फीसदी इंक्रीमेंट से बड़ा कॉर्पस बना सकते हैं। इसके लिए म्यूचुअल फंड एसआईपी और हर साल उसमें टॉप अप बेहतर विकल्प है।

क्या है एसआईपी टॉप अप

सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) म्यूचुअल फंड में निवेश की ऐसी व्यवस्था है, जहां आप किसी स्कीम में अपना पैसा एक साथ लगाने की बजाए, मंथली बेसिस पर लगाते हैं। मंथली निवेश के लिए उस स्कीम के तहत मिनिमम या कितना भी अमाउंट फिक्स किया जा सकता है। वहीं, हर साल बाद इस अमाउंट में इसके एक तय फीसदी रकम के साथ बढ़ोतरी करना टॉप-अप एसआईपी होता है। उदाहरण के लिए अगर आपने 5,000 रुपये मंथली एसआईपी से निवेश शुरू किया और 1 साल तक हर महीने 5,000 रुपये स्कीम में जमा होता रहा। वहीं 13वें महीने इस पूरे साल के लिए (13 से 24 महीने के लिए) आपने इस अमाउंट में 10 फीसदी बढ़ोतरी का विकल्प चुन लिया। ऐसे में 13वें महीने से 5,000 रुपये की जगह 5500 रुपये मंथली जमा होगा। फिर 25वें महीने यानी 2 साल पूरे होने पर आपने 5500 रुपये का 10 फीसदी फिर निवेश के लिए बढ़ा दिया। टॉप अप एसआईपी में ऐसी बढ़ोतरी हर साल बाद की जाती है।

इंक्रीमेंट करोड़पति बनाने में कैसे आएगा काम

मान लिया कि आपकी जॉब पिछले साल लगी थी और तब आपने सैलरी मिलते ही उसमें से 5000 रुपये की एसआईपी शुरू कर दी। वहीं आपने मन बनाया कि हर इंक्रीमेंट के एक हिस्से से हर साल एसआईपी टॉप अप करेंगे।

ऐसे समझें रिटर्न का गणित केस-1

- 10 साल के लिए एसआईपी टॉप-अप
- शुरुआती मंथली एसआईपी : 5,000 रुपये
- इन्यूरेशन : 10 साल
- अनुमानित रिटर्न : 12 फीसदी
- हर 1 साल पर 10% टॉप अप

10 साल में कुल निवेश : 9,56,245 रुपये

- 10 वर्ष बाद एसआईपी वैल्यू: 16,87,163 (करीब 17 लाख रुपये)
- कुल फायदा: 7,30,918 रुपये (7.30 लाख रुपये)

केस-2

- 15 साल के लिए एसआईपी टॉप-अप
- शुरुआती मंथली एसआईपी : 5,000 रुपये
- इन्यूरेशन : 15 साल
- अनुमानित रिटर्न: 12 फीसदी
- हर 1 साल पर 10% टॉप अप
- 15 साल में कुल निवेश: 19,06,349 रुपये
- 15 वर्ष बाद एसआईपी वैल्यू : 43,41,925 (करीब 43.50 लाख)
- कुल फायदा: 24,35,576 रुपये (24.35 लाख रुपये)

केस-3

- 20 साल के लिए एसआईपी टॉप-अप
- शुरुआती मंथली एसआईपी : 5000 रुपये
- इन्यूरेशन : 20 साल
- अनुमानित रिटर्न : 12 फीसदी
- हर 1 साल पर 10% टॉप अप
- 20 साल में कुल निवेश : 34,36,500 रुपये
- 20 वर्ष बाद एसआईपी वैल्यू : 99,44,358 (करीब 1 करोड़)
- कुल फायदा : 65,07,858 रुपये (65 लाख रुपये)

एसआईपी में टॉपअप ऐसे करें

- अपने एसआईपी प्रदाता से संपर्क करें : अपने एसआईपी प्रदाता की वेबसाइट या ग्राहक सेवा से संपर्क करें।
- टॉपअप विकल्प चुनें : अपने एसआईपी खाते में टॉपअप विकल्प चुनें और आवश्यक विवरण दर्ज करें।
- टॉपअप राशि निर्धारित करें : टॉपअप की जाने वाली राशि निर्धारित करें और यह सुनिश्चित करें कि आपके खाते में पर्याप्त धन है।
- टॉपअप आवृत्ति चुनें : टॉपअप की आवृत्ति चुनें, जैसे कि मासिक या त्रैमासिक।
- पुष्टि करें : अपने टॉपअप अनुरोध की पुष्टि करें और यह सुनिश्चित करें कि आपके एसआईपी खाते में आवश्यक अद्यतन हो गए हैं।

एसआईपी में टॉपअप के फायदे

- बढ़ता हुआ निवेश : एसआईपी में टॉपअप करने से आपका निवेश बढ़ सकता है और आपको अपने वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद मिल सकती है।
- नियमित निवेश : टॉपअप सुविधा के साथ, आप नियमित रूप से अपने निवेश को बढ़ा सकते हैं।
- लचीला निवेश : एसआईपी में टॉपअप करने से आपको अपने निवेश को लचीला बनाने में मदद मिल सकती है, जिससे आप अपने वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए आवश्यकतानुसार निवेश कर सकते हैं।
- एसआईपी में टॉपअप करने से आपको अपने निवेश को बढ़ाने और अपने वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद मिल सकती है।

बिजनेस शुरू करने के लिए बना रहे हैं लोन का प्लान, तो जान लें कुछ बातें

पहले जान लें बिजनेस लोन आखिर कितने प्रकार के होते हैं | अगर खुद का कारोबार शुरू करना चाहते हैं, बैंक से लोन लें

ज्ञान
बिजनेस डेस्क

आजकल लोग बैंक से लोन लेकर अपनी जरूरतों को पूरा कर रहे हैं। इसमें होम लोन, कार लोन, एजुकेशन लोन और पर्सनल लोन आदि शामिल हैं। इसके अलावा बैंकों द्वारा अपने ग्राहकों को बिजनेस शुरू करने के लिए बिजनेस लोन भी दिए जाते हैं। बिजनेस लोन का इस्तेमाल लोग मशीनरी खरीदने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों और बिजनेस में निवेश करने के लिए ले सकते हैं। अगर आप भी खुद का बिजनेस शुरू करने वाले हैं और निवेश के लिए बिजनेस लोन लेने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको बिजनेस लोन के प्रकार के बारे में जरूर पता होना चाहिए। आज हम इस रिपोर्ट के जरिये आपको बताएंगे कि बिजनेस लोन के कितने प्रकार होते हैं।

बिजनेस टर्म लोन

बिजनेस टर्म लोन वह लोन होता है, जिसमें एक निश्चित राशि निश्चित अवधि के लिए दी जाती है। इस लोन को नियमित किश्तों के जरिए चुकाना होता है।

बिजनेस वर्किंग कैपिटल लोन

बिजनेस वर्किंग कैपिटल लोन वह लोन होता है, जो कि एक व्यवसाय को उसकी दैनिक परिचालनों के खर्चे को पूरा करने के लिए दिया जाता है। यह लोन बिजनेस में कैश की समस्या से जूझ रहे लोगों को दिया जाता है। यह लोन आमतौर पर कर्मचारियों को वेतन देने, इन्वेंट्री खरीदने जैसी जरूरतों को पूरा करने के लिए दिया जाता है।

प्रोफेशनल बिजनेस लोन

प्रोफेशनल बिजनेस लोन सेल्फ-एंप्लॉयड पेशेवरों को दिया जाता है। इसमें डॉक्टर, आर्किटेक्ट, सीए जैसे पेशेवर शामिल होते हैं। सेल्फ-एंप्लॉयड पेशेवर अपने बिजनेस की जरूरतों को पूरा करने के लिए ये लोन ले सकते हैं।

मशीनरी फाइनेंस लोन

मशीनरी फाइनेंस लोन वह बिजनेस लोन होता है, जो कि बिजनेस से संबंधित मशीनरी या उपकरणों को खरीदने के लिए लिया जाता है।

क्या है बिजनेस लोन

बिजनेस लोन एक प्रकार का ऋण है जो व्यवसायों को उनके वित्तीय जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रदान किया जाता है। यह ऋण व्यवसायों को अपने कारोबार को बढ़ाने, विस्तार करने, या वित्तीय चुनौतियों का सामना करने में मदद करने के लिए डिजाइन किया गया है।

बिजनेस लोन के प्रकार

- **कार्यशील पूंजी ऋण :** यह ऋण व्यवसायों को अपने दिन-प्रतिदिन के कार्यों को चलाने के लिए आवश्यक पूंजी प्रदान करता है।
- **व्यवसाय विस्तार ऋण :** यह ऋण व्यवसायों को अपने कारोबार को बढ़ाने और विस्तार करने के लिए आवश्यक पूंजी प्रदान करता है।
- **मशीनरी ऋण :** यह ऋण व्यवसायों को नई मशीनरी और उपकरण खरीदने के लिए आवश्यक पूंजी प्रदान करता है।
- **व्यवसाय अधिग्रहण ऋण :** यह ऋण व्यवसायों को अन्य व्यवसायों को अधिग्रहण करने के लिए आवश्यक पूंजी प्रदान करता है।

बिजनेस लोन के लाभ

- **वित्तीय सहायता:** बिजनेस लोन व्यवसायों को उनके वित्तीय जरूरतों को पूरा करने में मदद करता है।
- **व्यवसाय वृद्धि:** यह ऋण व्यवसायों को अपने कारोबार को बढ़ाने और विस्तार करने में मदद करता है।
- **लचीलापन:** बिजनेस लोन व्यवसायों को अपने वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए आवश्यक लचीलापन प्रदान करता है।
- बिजनेस लोन एक महत्वपूर्ण वित्तीय साधन है जो व्यवसायों को उनके वित्तीय जरूरतों को पूरा करने में मदद करता है। यह ऋण व्यवसायों को अपने कारोबार को बढ़ाने और विस्तार करने में मदद करता है, और उन्हें वित्तीय चुनौतियों का सामना करने में मदद करता है।

ऐसे ले सकते हैं बिजनेस लोन

- वित्तीय जरूरतों का आकलन करें: अपने व्यवसाय की वित्तीय जरूरतों का आकलन करें और यह तय करें कि आपको कितनी राशि की आवश्यकता है।
- ऋणदाता का चयन करें: विभिन्न ऋणदाताओं की तुलना करें और अपने लिए सबसे अच्छा विकल्प चुनें।
- आवश्यक दस्तावेज इकट्ठा करें: आवश्यक दस्तावेज जैसे कि व्यवसाय का पंजीकरण प्रमाण पत्र, आयकर रिटर्न, बैलेंस शीट, और अन्य वित्तीय दस्तावेज इकट्ठा करें।
- आवेदन पत्र भरें: ऋणदाता के आवेदन पत्र को भरें और आवश्यक दस्तावेज संलग्न करें।
- आवेदन जमा करें: आवेदन पत्र और दस्तावेज ऋणदाता को जमा करें।
- प्रोसेसिंग और मंजूरी: ऋणदाता आपके आवेदन की जांच करेगा और आपको मंजूरी देगा या नहीं।

आवश्यक दस्तावेज़

■व्यवसाय का पंजीकरण प्रमाण पत्र ■ आयकर रिटर्न ■ बैलेंस शीट ■ व्यवसाय योजना ■ पहचान प्रमाण ■ पता प्रमाण

यह भी जानिये

- वित्तीय दस्तावेज को अद्यतन रखें : अपने वित्तीय दस्तावेज को अद्यतन रखें ताकि आपको ऋण के लिए आवेदन करने में आसानी हो।
- शर्तों को ध्यान से पढ़ें : ऋणदाता की शर्तों को ध्यान से पढ़ें और समझें कि आपको क्या करना होगा।
- समय पर भुगतान करें : समय पर भुगतान करें ताकि आपका क्रेडिट स्कोर अच्छा रहे।

करवा लें ट्रैवल इंश्योरेंस, हादसे के समय देता है आर्थिक सहारा

● बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमान हादसे के बाद आर्थिक सुरक्षा का सवाल ●

जरूरत
बिजनेस डेस्क

अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से लंदन के लिए उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद एयर इंडिया का बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमान गुरुवार दोपहर (12 जून) को दुर्घटनाग्रस्त हो गया। यह विमान शहर के मेघानी इलाके में गिरा, जहां से काले धुएं का एक बड़ा गुबार उठा और राहत व बचाव दल तुरंत मौके पर पहुंचा। हादसे में 241 यात्रियों और 33 अन्य लोगों समेत कुल 274 लोगों की जान चली गई। इस हादसे के बाद लोगों में आर्थिक सुरक्षा का सवाल उठने लगा है। ऐसे में ट्रैवल इंश्योरेंस कराना बेहद जरूरी हो जाता है। ताकि ऐसे किसी हादसे में अनहोनी के बाद आपका परिवार को कुछ सहारा मिल सके। अहमदाबाद विमान यह त्रासदी एक बार फिर हमें याद दिलाती है कि यात्रा में हमेशा संभावनाएं होती हैं, लेकिन जोखिम भी उतना ही बड़ा होता है। ऐसी अनहोनी घटनाओं के बीच ट्रैवल इंश्योरेंस की भूमिका एक विकल्प नहीं, बल्कि जरूरत बन जाती है। आइए, समझते हैं हमारे एक्सपर्ट्स से कि क्यूं आज के समय में ट्रैवल इंश्योरेंस कराना बहुत जरूरी है।

जब जिंदगी अचानक बदल जाए

ऐसे हादसों में एक सही बीमा पॉलिसी आर्थिक रूप से टूटे परिवार को सहारा देने का काम कर सकती है। वे कहते हैं कि अगर किसी यात्री की जान दुर्घटना में चली जाती है, तो ट्रैवल इंश्योरेंस के तहत मिलने वाला एक्सीडेंटल डेथ बेनिफिट परिवार को 10 से 15 लाख तक की राहत राशि दे सकता है (यदि बीमित राशि करीब $1.5 लाख हो)। यह मदद उस समय आती है जब परिवार मानसिक और आर्थिक रूप से सबसे ज्यादा असहाय होता है। तो यह मदद उसे एक सांत्वना के रूप में उसके मनोबल को बढ़ा सकती है। हादसे में कमाने वाला ही चला जाए तो इस मदद से परिवार को बड़ी राहत मिल सकती है। ऐसे में ट्रेलव इंश्योरेंस करवाना फायदे का सौदा है।

मेडिकल एवैक्यूएशन से लेकर पार्थिव शरीर की वापसी तक

केवल मृत्यु ही नहीं, अगर कोई यात्री विदेश में गंभीर रूप से घायल होता है तो ट्रैवल इंश्योरेंस के अंतर्गत उसका इलाज, अस्पताल में भर्ती और जरूरत पड़ने पर एयर एम्बुलेंस से दूसरी जगह शिफ्ट करने का

खर्च भी बीमा कंपनी वहन करती है। और अगर किसी की मौत हो जाए, तो उसके पार्थिव शरीर को स्वदेश लाने की पूरी प्रक्रिया और खर्च भी कवर होता है जो न केवल महंगा, बल्कि परिवार के लिए मानसिक रूप से भी चुनौतीपूर्ण होता है।

मानसिक सहारे की भी होती है ज़रूरत

ट्रैवल इंश्योरेंस केवल आर्थिक नहीं, बल्कि भावनात्मक सहारा भी देता है। आजकल की कई पॉलिसियों में मनोवैज्ञानिक काउंसलिंग, शोक-संवेदना सहायता और इमरजेंसी सपोर्ट जैसी सुविधाएं भी शामिल हैं, जो परिवार को मुश्किल वक्त में भावनात्मक मजबूती देती हैं। जानकार कहते हैं कि हम जिंदगी में हर चीज को सुरक्षित करने की कोशिश करते हैं, लेकिन सबसे ज़्यादा असुरक्षित उस वक़्त होते हैं, जब हम यात्रा कर रहे होते हैं।

समझदारी भरा फैसला

सच्चाई यह है कि कोई बीमा जिंदगी की भरपाई नहीं कर सकता, लेकिन यह संकट के समय में परिवार को सम्मान, सुविधा और समय पर मदद जरूर दे सकता है। एक छोटी सी रकम, जो टिकट बुकिंग के समय ट्रैवल इंश्योरेंस के रूप में चुकाई जाती है, वही आपातकाल में बड़ी राहत बन सकती है। इसलिए अगली बार जब आप किसी यात्रा की योजना बनाएं, तो टिकट के साथ बीमा भी जरूर लें। क्योंकि जोखिम का समय कभी बता कर नहीं आता, लेकिन उसकी तैयारी हमेशा होनी चाहिए।

क्या है ट्रैवल इंश्योरेंस

ट्रैवल इंश्योरेंस एक प्रकार का बीमा है जो आपको यात्रा के दौरान होने वाली अप्रत्याशित घटनाओं से बचाता है। यह बीमा आपको वित्तीय नुकसान से बचाने में मदद करता है जो यात्रा के दौरान हो सकता है, जैसे कि यात्रा रद्द होना, चिकित्सा आपातकाल, सामान की चोरी या नुकसान, और अन्य।

ट्रैवल इंश्योरेंस के लाभ

- **यात्रा रद्द होने पर कवरेज :** ट्रैवल इंश्योरेंस यात्रा रद्द होने पर वित्तीय नुकसान से बचाता है।
- **चिकित्सा आपातकाल कवरेज:** यह बीमा आपको चिकित्सा आपातकाल के दौरान होने वाले खर्चों को कवर करता है।
- **सामान की चोरी या नुकसान कवरेज:** ट्रैवल इंश्योरेंस आपको सामान की चोरी या नुकसान के मामले में वित्तीय नुकसान से बचाता है।
- **यात्रा में देरी कवरेज:** यह बीमा आपको यात्रा में देरी के कारण होने वाले अतिरिक्त खर्चों को कवर करता है।

ट्रैवल इंश्योरेंस के प्रकार

- **डोमेस्टिक ट्रैवल इंश्योरेंस:** यह बीमा घरेलू यात्राओं के लिए होता है।
- **इंटरनेशनल ट्रैवल इंश्योरेंस:** यह बीमा अंतरराष्ट्रीय यात्राओं के लिए होता है।
- **सिंगल ट्रिप इंश्योरेंस:** यह बीमा एकल यात्रा के लिए होता है।
- **एनुअल मल्टी-ट्रिप इंश्योरेंस:** यह बीमा एक वर्ष के दौरान कई यात्राओं के लिए होता है।
- ट्रैवल इंश्योरेंस एक महत्वपूर्ण बीमा है जो आपको यात्रा के दौरान होने वाली अप्रत्याशित घटनाओं से बचाता है। यह बीमा आपको वित्तीय नुकसान से बचाने में मदद करता है और आपको यात्रा के दौरान अधिक सुरक्षित और तनावमुक्त महसूस करने में मदद करता है।

तैयारी | रिटायरमेंट के बाद खर्च का इंतजाम सही ढंग से करने के लिए करें निवेश

तीनों से मजबूत पोर्टफोलियो बनाता है जो हर हालात में आपके काम आता

इक्विटी, गोल्ड व डेट में बांटकर करें निवेश तभी बेहतर बनेगा बैलेंस्ड रिटायरमेंट प्लान

○ इक्विटी में ज़्यादा निवेश करने से बेहतर रिटर्न मिल सकता है○ इसे डेट और गोल्ड जैसे सुरक्षित निवेश के साथ बैलेंस करना जरूरी

समझदारी
बिजनेस डेस्क

रिटायरमेंट के बाद खर्च कैसे चलेगा, इसकी फिक्र हर नौकरीपेशा शख्स को रहती है। भविष्य को सुरक्षित और आरामदायक बनाना है, तो समय रहते सही निवेश की योजना बनाना जरूरी है। अगर आप एक सही रिटायरमेंट प्लान के लिए असरदार रणनीति की तलाश में हैं, तो इनवेस्टमेंट का बैलेंस्ड अप्रोच लेकर चलना होगा। इसका मतलब ये कि आप अपने पैसों को किसी एक ही एसेट क्लास में इनवेस्ट करने की जगह इक्विटी, गोल्ड और डेट जैसे तीन प्रमुख एसेट क्लास में बांटकर निवेश करें। यह डायवर्सिफिकेशन आपको बाजार की अस्थिरता और इंफ्लेशन के असर से बचाते हुए लंबे समय में बेहतर रिटायरमेंट कॉर्पस तैयार करने में काफी मददगार साबित हो सकता है।

इक्विटी से होगा लॉन्ग टर्म वेल्थ क्रिएशन

अगर आप लंबी अवधि में वेल्थ क्रिएशन करना चाहते हैं, तो इक्विटी में निवेश इसका बेहतरीन तरीका हो सकता है। यह निवेश आप सीधे शेयर बाज़ार में या इक्विटी म्यूचुअल फंड के जरिये कर सकते हैं। भारत के कई डायवर्सिफाइड इक्विटी फंड्स देश की इकनॉमिक ग्रोथ स्टोरी में हिस्सेदारी के जरिये पिछले 15-20 या उससे ज्यादा अवधि के दौरान भी सालाना 12 फीसदी या उससे ज्यादा एवरेज रिटर्न देते रहे हैं। हालांकि, इक्विटी में उतार-चढ़ाव ज्यादा होता है। अगर आप युवा हैं और आपकी निवेश अवधि लंबी है, तो इक्विटी में ज़्यादा निवेश करने से बेहतर रिटर्न मिल सकता है, लेकिन इसे डेट और गोल्ड जैसे सुरक्षित निवेश के साथ बैलेंस करना जरूरी है, ताकि रिस्क का लेवल कम रहे।

डेट में निवेश से मिलेगी स्टेबिलिटी और सुरक्षा

डेट इनवेस्टमेंट में सरकारी बॉन्ड, फिक्स्ड डिपॉजिट और डेट म्यूचुअल फंड आते हैं. ये निवेश इक्विटी की तुलना में कम रिस्की होते हैं. इनमें एफडी और पीपीएफ जैसे कई निवेश रेगुलर और फिक्स्ड रिटर्न देने के लिए जाने जाते हैं. शेयर बाजार में गिरावट के दौरान डेट में किया गया निवेश आपके पोर्टफोलियो को स्टेबिलिटी के साथ-साथ लिक्विडिटी भी देता है। अगर आप रिटायरमेंट के करीब हैं या अगले कुछ वर्षों में पैसों की जरूरत है, तो डेट में किया गया इनवेस्टमेंट काफी काम आता है. अगर डेट का सपोर्ट न हो तो बाजार में गिरावट का दौर मुश्किल में डाल सकता है।

गोल्ड यानी महंगाई और संकट से बचाने वाला निवेश

गोल्ड यानी सोने को दुनिया भर में एक सुरक्षित निवेश माना जाता है। जब भी आर्थिक या राजनीतिक संकट आते हैं, सोने की कीमत इसी वजह से बढ़ती है. यह महंगाई के खिलाफ हेजिंग का काम भी करता है यानी आपके निवेश की रियल वैल्यू को गिरने से बचाता है। आजकल फिजिकल गोल्ड के अलावा गोल्ड बॉन्ड, गोल्ड ईटीएफ या डिजिटल गोल्ड में निवेश करने के ऑप्शन भी मौजूद हैं। इनमें बेहतर लिक्विडिटी और सुरक्षा का फायदा मिलता है. अगर आप 5-10% हिस्सा गोल्ड में लगाते हैं, तो यह आपके रिटायरमेंट पोर्टफोलियो के डायवर्सिफिकेशन और सुरक्षा को बढ़ा सकता है।

रिटायरमेंट के लिए बैलेंस्ड पोर्टफोलियो कैसे बनाएं

रिटायरमेंट पोर्टफोलियो बनाते समय आपको अपनी उम्र, जोखिम लेने की क्षमता और निवेश की अवधि को ध्यान में रखना चाहिए. मिसाल के तौर पर अगर आप 30 साल के हैं, तो आपका फोकस लंबी अवधि के रिटर्न पर होना चाहिए, इसलिए इक्विटी का अनुपात 70-80% तक हो सकता है। वहीं 50 साल के व्यक्ति को अधिक स्टेबिलिटी और कम रिस्क पर जोर देते हुए डेट में निवेश को बढ़ाकर कम से कम 50 फीसदी तक ले जाना चाहिए. 55 साल की उम्र के बाद जब रिटायरमेंट करीब होता है, तब पूंजी की सुरक्षा सबसे जरूरी हो जाती है। ऐसे में इक्विटी का हिस्सा और भी घटाकर डेट और गोल्ड में निवेश बढ़ा देना चाहिए। अगर आप अपने पोर्टफोलियो के इस बैलेंस वक्त के साथ-साथ सही अनुपात में बदलते रहेंगे, तो आपका निवेश सुरक्षित होने के साथ ही साथ बढ़ता भी रहे।

बेफिक्र रिटायरमेंट के लिए बैलेंस्ड अप्रोच जरूरी

अगर आप चाहते हैं कि आपकी रिटायरमेंट लाइफ बिना पैसों की चिंता के आराम से बीते, तो अभी से सही रणनीति अपनाना जरूरी है. इक्विटी से ग्रोथ मिलेगी, डेट से सुरक्षा और गोल्ड से स्थिरता. साथ ही, अगर किसी एक एसेट क्लास में नुकसान होता है, तो बाकी दो इसे संभाल सकते हैं। तीनों एसेट क्लास मिलकर ऐसा मजबूत पोर्टफोलियो बनाते हैं जो हर हालात में आपके काम आ सकता है। एक बात और, इस रणनीति पर अमल की शुरुआत जितनी जल्दी करेंगे, रिटायरमेंट के बाद की जिंदगी आर्थिक रूप से उतनी ही बेहतर बन पाएगी।

खबर संक्षेप

बोतल देसी शराब सहित एक व्यक्ति काबू

हिसार। अवैध शराब की बिक्री पर रोक लगाते हुए 12 क्वार्टर पुलिस चौकी की टीम ने 12 क्वार्टर रोड क्षेत्र से एक व्यक्ति को काबू कर उसके कब्जे से 17 बोतल देसी शराब बरामद की है। एएसआई जयप्रकाश ने बताया कि पुलिस टीम नियमित गश्त पर थी। इसी दौरान 12 क्वार्टर रोड पर शक के आधार पर एक व्यक्ति को काबू किया गया। पूछताछ में उस व्यक्ति ने अपना नाम नेताजी कॉलोनी निवासी पारस बताया। तलाशी के दौरान उसके प्लास्टिक के कट्टे से 17 बोतल देसी शराब बरामद हुई। पुलिस ने शराब कब्जे में लेकर उस पर केस दर्ज कर लिया है।

सुल्फा सप्लायर करने वाला युवक गिरफ्तार

नारनौंद। एएनसी स्टाफ हांसी पुलिस ने 100 ग्राम सुल्फा के असल सप्लायर गांव मढ़ाना निवासी वत्सूपाल को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार आरोपित युवक ने कुछ दिनों पहले नन्हा निवासी खरबला को 100 ग्राम सुल्फा सप्लाई किया था। उसके खिलाफ थाना बास में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था। एएनसी स्टाफ हांसी पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपित युवक को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसको अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे जमानत पर रिहा कर दिया गया।

उद्घोषित आरोपी को किया गिरफ्तार

हांसी। पुलिस के पीओ स्टाफ पुलिस ने चैक बाउंस मामले में उद्घोषित आरोपी ढाणा खुर्द निवासी खुशी राम को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी को अदालत ने चैक बाउंस मामले में उद्घोषित आरोपी करार दिया हुआ था। पीओ स्टाफ पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया।

महिला विरुद्ध मामले में उद्घोषित आरोपी काबू

हांसी। उद्घोषित अपराधी व बेल जंपर के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत शहर थाना पुलिस ने महिला विरुद्ध अपराध मामले में उद्घोषित अपराधी मंडी सैनियान निवासी जयभगवान को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी को अदालत ने महिला थाना में दर्ज महिला विरुद्ध अपराध मामले में उद्घोषित अपराधी करार दिया हुआ था। शहर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया है।

एक लाख निकालने वाला गिरफ्तार

हांसी। शहर थाना पुलिस ने ऑटो रिक्शा में बैठे व्यक्ति की जेब से एक लाख रुपए चोरी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान रोहतक की चमनपुरा कैलाश नगर कालोनी निवासी महेश के रूप में हुई है। पुलिस प्रवक्ता कुलदीप सिंह के अनुसार पकड़े गए आरोपी ने दो जून को हुडा सेक्टर 6 में ऑटो रिक्शा में बैठे थुराना निवासी होशियार की जेब से एक लाख रुपए निकाल लिए थे। कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश कर दो दिन के रिमांड पर लिया है।

नशा मुक्त भारत पखवाड़ा के तहत मसुदपुर में फुटबॉल प्रतियोगिता

फाइनल मुकाबले में चैनत को हरा मसूदपुर गांव की टीम रही विजेता, किया सम्मानित

नशा मुक्त भारत पखवाड़ा अभियान में करवाए खेल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

नशा मुक्त भारत पखवाड़ा अभियान के तहत डीएसपी सदर सिद्धार्थ ने खेलों को बढ़ावा देने और युवाओं को नशे से दूर रखने के उद्देश्य से गांव मसुदपूर में फुटबाल खेल प्रतियोगिता का आयोजन करवाया। डीएसपी सदर सिद्धार्थ ने बताया कि प्रतियोगिता में गांव सिसाय, चैनत, गुराना व बधावड़ गांव की टीमों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के सभी मुकाबले बेहद रोमांचक और प्रतिस्पर्धात्मक रहे। उन्होंने बताया कि सेमीफाइनल में चैनत और गुराना व मसुदपूर तथा सिसाय की टीमों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली। फाइनल मुकाबला गांव चैनत और मसुदपूर की टीमों के बीच खेला गया, जिसमें मसुदपूर की टीम ने चैनत को 3-2 से हराकर खिताब अपने नाम किया। डीएसपी सिद्धार्थ बिश्नोई ने विजेता टीम को पुलिस की ओर से आकर्षक पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया।

प्रतियोगिता के समापन पर खिलाड़ियों ने नशे के खिलाफ जागरूक रहने और अपने गांव को नशा मुक्त बनाने की शपथ ली। प्रतियोगिता के समापन उपरांत डीएसपी सिद्धार्थ बिश्नोई ने स्टेडियम परिसर में त्रिवेणी का पौधा रोपित कर पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता का संदेश दिया।

हांसी। फुटबॉल प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों के साथ डीएसपी सिद्धार्थ बिश्नोई।

विजेता टीम को पुरस्कार देकर किया सम्मानित

फाइनल मुकाबला गांव चैनत और मसुदपूर की टीमों के बीच खेला गया, जिसमें मसुदपूर की टीम ने चैनत को 3-2 से हराकर खिताब अपने नाम किया। डीएसपी सिद्धार्थ बिश्नोई ने विजेता टीम को पुलिस की ओर से आकर्षक पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया।

मदनहेड़ी में डीएसपी नारनौंद ने आयोजित

नारनौंद नशा मुक्ति अभियान के तहत डीएसपी अर्जुन अवार्डी रविन्द्र सांगवान ने युवाओं को नशे से दूर रखने व खेलों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से गांव मदनहेड़ी में नैशनल कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन करवाया। प्रतियोगिता में गांव तालू, मुंढाल, मदनहेड़ी व खांडाखेड़ी की टीमों ने भाग लिया। सभी मुकाबले कांटेदार रहे। लड़कियों की टीमों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लेकर समाज को एक सशक्त संदेश दिया। फाइनल मुकाबला गांव मदनहेड़ी और तालु की टीमों के बीच खेला गया। जिसमें मदनहेड़ी की टीम ने 41-37 के अंतर से शानदार जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम किया। विजेता टीम को हांसी पुलिस द्वारा आकर्षक पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान डीएसपी नारनौंद रविन्द्र सांगवान व बास थाना प्रभारी मनदीप सिंह ने उपस्थित ग्रामीणों, खिलाड़ियों व युवाओं को नशा मुक्ति, सड़क सुरक्षा व यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया। गांव व आसपास यदि कोई नशा बेचता है, तो उसकी सूचना तुरंत पुलिस को देने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के समापन पर सभी खिलाड़ियों व ग्रामीण युवाओं ने नशे के खिलाफ जागरूक रहने और अपने गांव को नशा मुक्त बनाने की शपथ ली।

97 लाख की धोखाधड़ी मामले में तीसरा आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

धोखाधड़ी करने वाला आरोपी।

- पुलिस ने गिरफ्तार की कार्रवाई

साइबर थाना क्राइम पुलिस ने व्हाट्सएप ग्रुप पर ट्रेडिंग करने के नाम पर 97 लाख 65 हजार रुपए की धोखाधड़ी करने के मामले में संलिप्त तीसरे आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले के गांव खेरिया बेजुरगढ निवासी टेकन के रूप में हुई है। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार पकड़े गए आरोपी ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर सिसाय बोलान निवासी सुभाष पुरी के व्हाट्सएप पर 30 सितंबर 2024 को किसी महिला ने मैसेज किया और दोनों काफी दिन तक दोनों आपस में मैसेज के द्वारा बातें करते रहे। मैसेज करने वाली महिला ने अपने आप को बैंगलोर मे विप्रो कंपनी मे क्वालिटी एसुरेंस इंजिनियर के पद पर तैनात बताया और कहा कि आप भी ट्रैडिंग में इंवेस्ट करके अच्छा प्रोफिट कमा सकते हो। बाद में आरोपियों ने सुभाष को विश्वास में लेकर शेयर मार्केट में रुपए कमाने का लालच देकर व्हाट्सएप ग्रुप से मैसेज भेजकर, लिंक को ज्वाइन करवाकर सभी सदस्य ग्रुप में अपना प्रॉफिट दिखाते थे। आरोपियों द्वारा ग्रुप में लिंक भेजकर, भेजे गए लिंक पर सैफ एलएनसी नामक एप डाउनलोड कर अकाउंट खुलवाकर, शेयर मार्केट में रुपयों को डबल का लालच देकर, बाद में अकाउंट को ब्लॉक करवाने व जुर्माना लगाने के नाम 97 लाख 65 हजार रुपए की धोखाधड़ी की थी। थाना साइबर क्राइम हांसी पुलिस ने सिसाय बोलान निवासी सुभाष की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

एसपी ने दी सलाह

पुलिस अधीक्षक अमित यशवर्धन ने आमजन से अपील करते हुए कहा है कि तुरंत और ज्यादा मुनाफा कमाने का झांसा देने वाले लोगों के चंगुल में ना फंसे। अगर किसी भी व्यक्ति के पास ऐसे ग्रुपों से मैसेज आते है तो उस ग्रुप को तुरंत ब्लॉक कर दें। और अपनी निजी जानकारी किसी भी अनजान व्यक्ति से शेयर ना करनें। किसी भी प्रकार का साइबर फ्रॉड होने पर तुरंत 1930 कॉल करें।

सांसद ने भूमि आश्रम का दौरा कर सेवा कार्यों का जायजा लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा ने नई अनाज मंडी स्थित भूमि आश्रम का दौरा कर आश्रम में चल रहे सेवा कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने आश्रम में रहने वाले लोगों से बातचीत की व उनका हालचाल जाना। आश्रम के संचालक मुकेश जांगड़ा ने सांसद रामचंद्र जांगड़ा का स्वागत किया व आश्रम का दौरा करवाया। सांसद रामचंद्र जांगड़ा ने कहा कि वे पहली बार इस आश्रम में आए हैं। आश्रम द्वारा संचालित सेवा कार्यों की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि नर सेवा नारायण सेवा, इससे बडी कोई सेवा नहीं है। जांगड़ा ने कहा कि आज से वे भी इस आश्रम के सदस्य हैं। जब कभी उनकी कोई जरुरत होगी, वे तुरंत तैयार मिलेंगे। इस मौके पर संचालक के साथ में फिजियोथैरेपिस्ट डॉ. नरेश जांगड़ा, सुंदर नगर से जयराम दास चावला, पूर्व तहसीलदार वज़ीर सिंह, जम्भशक्ति एनजीओ से विकास गोदारा और आश्रम की टीम के सदस्य उपस्थित रहे।

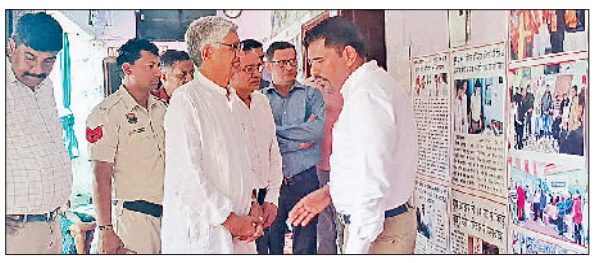

हिसार। सांसद रामचंद्र जांगड़ा भूमि आश्रम का दौरा करते हुए।

योग अपनाने से दुनिया की सोच में आया बदलाव

- हांसी के ऐतिहासिक पृथ्वीराज चौहान किला परिसर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया 11वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर शनिवार को हांसी के ऐतिहासिक पृथ्वीराज चौहान किला परिसर में योग शिविर का आयोजन कर 11वां योग दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। योग शिविर में विधायक विनोद भ्याना ने मुख्यातिथि के रूप शिरकत की तथा देवी सरस्वती के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर योग दिवस कार्यक्रम का विधिवत रूप से शुभारंभ किया। और योग शिविर में स्वयं योगिक क्रियाएं कर लोगों को जीवन में योग अपनाने का संदेश दिया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए विधायक विनोद भयाना ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2014 में पहली बार दुनिया को योग की दिव्यता का आभास करवाया। और आज दुनिया के अधिकतर देश भारत की इस प्राचीन योग विद्या को अपना चुके हैं, जिसके फलस्वरुप दुनिया भर के लोगों की सोच में एक बड़ा सकारात्मक बदलाव आया है। विधायक भयाना ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को उपमंडल स्तर इतनी भव्यता एवं व्यवस्थित तरीके से मनाने के लिए एसडीएम राजेश खोथ व प्रशासन की प्रशंसा की। इस अवसर पर एसडीएम राजेश खोथ, नगर परिषद अध्यक्ष प्रवीण एलाहाबादी, भाजपा नेता राजपाल यादव, भाजपा प्रदेश प्रवक्ता नेहा धवन, दिनेश भुटानी, मंडल अध्यक्ष तनुज खुराना, प्रेम वर्मा, डीएसपी सिद्धार्थ ऊ, पुरातत्व विभाग से अनुराग लोहचब, पतंजलि से योग ट्रेनर कुलदीप सोनी, राजीव सैनी, शहर थाना प्रभारी सदानंद वत्स सहित कई विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी तथा शहर गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। शिविर में मंच का संचालन राजीव कौशिक ने किया।

हांसी। योग दिवस कार्यक्रम में विभिन्न गतिविधियों में शामिल होते तथा योग क्रियाएं करते विधायक विनोद भयाना व अन्य। फोटो : हरिभूमि

योग केवल कसरत नहीं, जीवन जीने की कला है : चेयरमैन

उकलाना। 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में हिसार जिले के उकलाना उपमंडल स्थित राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में योग दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिला परिषद के चेयरमैन सोनू सिहाग डाटा बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए।

अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि योग केवल कसरत नहीं, जीवन जीने की कला है। आज की तनावपूर्ण जीवनशैली में योग अत्यंत आवश्यक हो गया है। यह न केवल मानसिक तनाव को कम करता है, बल्कि शरीर में नई ऊर्जा का संचार करता है। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री अनूप धानक ने उपस्थितजन को संबोधित करते हुए कहा कि योग को केवल कसरत न समझकर अपनी दिनचर्या बनाएं तो शरीर को निरोगी रखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान दौर में सभी की जिंदगी भाग-दौड़ की हो गई है, जिससे मन में तनाव भी रहता है। इस अवसर पर मॉडल संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल के प्रिंसिपल अर्जुन सिंह, बीडीपीओ, सत्यवान मुगलपुरा सहित बड़ी संख्या में बच्चे एवं गणमान्य नागरिकों ने योग प्रोटोकॉल का अभ्यास किया। 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में हिसार जिले के उकलाना उपमंडल स्थित राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में योग दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया।

बीटेक मैकेनिकल इंजीनियरिंग के एक विद्यार्थी का चयन

हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के सौजन्य से मणिकरण पावर लिमिटेड के ई-कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में विश्वविद्यालय के बीटेक मैकेनिकल इंजीनियरिंग के एक विद्यार्थी को प्लेसमेंट मिला है। चयनित विद्यार्थी को बधाई देते हुए कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने विद्यार्थी की इस उपलब्धि पर गर्व व्यक्त किया। सहायक निदेशक प्लेसमेंट डॉ. आदित्य वीर सिंह ने बताया कि चयनित विद्यार्थी बीटेक एमई के अंश यादव हैं। प्लेसमेंट ड्राइव का समन्वयन भी बीटेक एमई के विद्यार्थी अंश यादव द्वारा किया गया।

पुलिस ने ज्वेलर्स से दो करोड़ की रंगदारी मांगने वाले आरोपी को किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

स्पेशल स्टाफ पुलिस टीम ने खजांचियान बाजार स्थित ज्वैलर्स से दो करोड़ की रंगदारी मांगने के मामले में आरोपी को पकड़ लिया है। आरोपी की पहचान बालसमंद निवासी देवेन्द्र उर्फ धोलू के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार रंगदारी मांगे जाने का मामला सामने आने के बाद से ही पुलिस की विभिन्न टीमें मामले की जांच में जुटी थी। इसी जांच पड़ताल के चलते स्पेशल स्टाफ पुलिस ने उक्त आरोपी बालसमंद निवासी देवेन्द्र उर्फ धोलू को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। पुलिस उससे पता लगाएगी कि उसने और कहां कहां और कौन कौन सी वारदातें की है। पकड़े गए आरोपी को रविवार को अदालत में पेश किया जाएगा। इस संबंध में खजांचियान बाजार स्थित राघव ज्वैलर्स के सुंदर ने शिकायत दर्ज करवाई थी। शिकायत के अनुसार गत दिवस सुबह जब उसने दुकान खोली तो शट्टर के नीचे एक पर्ची पड़ी दिखाई दी। उसने पर्ची देखी तो उसमें दो करोड़ की रंगदारी की मांग की गई थी। इसके बाद उसने पुलिस को सूचना दी, जिस पर पुलिस की विभिन्न टीमों ने जांच पड़ताल की और आरोपी को शनिवार को पकड़ लिया।

रिमांड के दौरान चोरीशुदा सोने चांदी के संपूर्ण आभूषण बरामद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

अनाज मंडी चौकी पुलिस ने आभूषण चोरी के एक मामले में सिरसा रोड स्थित हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी निवासी सोनू को गिरफ्तार कर एक दिन के पुलिस रिमांड पर लिया था। पुलिस ने रिमांड के दौरान आरोपी से चोरीशुदा संपूर्ण सोने चांदी के आभूषण बरामद किए है।

मामले की जांच कर रहे एएसआई विनोद कुमार ने बताया कि इस संबंध में सेक्टर 14 निवासी सुरेंद्र कुमार ने शिकायत दी थी। शिकायत के अनुसार 13 जून को जब वह अपने घर पहुंचे तो मकान का ताला टूटा हुआ था। जांच करने पर पता चला कि घर से सोने-चांदी के आभूषण, कीमती घड़ियां, एक कैमरा और नकदी चोरी हो चुकी थी। शिकायत के आधार पर थाना शहर में केस दर्ज करके जांच करते हुए आरोपी सोनू को गिरफ्तार किया गया। उसे आगामी गहन पूछताछ और चोरीशुदा आभूषणों की बरामदगी के लिए अदालत में पेश कर एक दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया था।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर आईएमए ने किया योग

हिसार आईएमए द्वारा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस बड़े उत्साह और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाया गया। हरे-भरे जिंदल अस्पताल कैंपस के लॉन में सुबह की शांत और सकारात्मक ऊर्जा के बीच आईएमए के लगभग 50 सदस्यों ने भाग लिया। योग सत्र का संचालन प्रशिक्षित योग प्रशिक्षक जयंत द्वारा किया गया। उनके मार्गदर्शन में उपस्थितजनों ने विभिन्न योगासनों, प्राणायाम और ध्यान का अभ्यास किया।

इस अवसर पर अ प्रमुख रूप से आईएमए हिसार अध्यक्ष डॉ.. रेनू भाटिया, सचिव डॉ. अर्चना सोनी, पूर्व राज्य अध्यक्ष डॉ. अजय महाजन, जिंदल हॉस्पिटल मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डॉ. रितु जसूजा, संरक्षक डॉ नरेंद्र खेतरपाल आदि उपस्थित रहे।

हिसार। योग करते आईएमए के पदाधिकारी व सदस्य।

पुलिस ने 190 ग्राम हेरोइन के साथ किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

नशा मुक्त भारत पखवाड़ा के तहत नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस की नशा निरोधक टीम ने बड़ी सफलता प्राप्त करते हुए गांव पीरावाली से एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से लाखों रुपये कीमत की 190 ग्राम हेरोइन बरामद की है। टीम प्रभारी उप निरीक्षक इंदर सिंह ने बताया कि पुलिस टीम को गश्त के दौरान गोपनीय सूचना प्राप्त हुई थी कि गांव पीरावाली में एक युवक संदिग्ध हालत में खड़ा है और जिसके पास नशीला पदार्थ हो सकता है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और युवक को काबू किया। पूछताछ में उसने अपना नाम पीरांवाली निवासी अवतार सिंह उर्फ अट्टू बताया। पुलिस उप अधीक्षक सुनील कुमार की उपस्थिति में तलाशी लेने पर अवतार सिंह उर्फ अट्टू के कब्जे से एक पॉलिथीन बैग में 190 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। पुलिस ने हेरोइन कब्जे में लेकर आरोपी के खिलाफ थाना सदर केस दर्ज करके उसे गिरफ्तार किया।

हिसार :–हेरोइन सहित पकड़ा गया आरोपी फोटो : हरिभूमि

आर्य समाज समिति के सम्मानित पदाधिकारी व अन्य गणमान्य समारोह के साक्षी बने

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

अपने संस्थापक महान शिक्षाविद ज्ञानचंद महाराज जी की निःस्वार्थ सेवा भाव और अथक प्रयासों को सादर स्मरण करते हुए दयानंद महाविद्यालय ने संरक्षक व डीएवी कालेज प्रबंधकृत्री समिति, नई दिल्ली के प्रधान पद्मश्री आर्यरत्न डॉ. पूनम सूरी की उपस्थिति में अपनी स्थापना का 'हीरक जयंती' समारोह बड़े हर्षोल्लास से मनाया गया। दयानन्द महाविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय हीरक जयंती समारोह का शुभारंभ पद्मश्री आर्यरत्न डॉ. पूनम सूरी और उनकी सहधर्मिणी मणि सूरी ने किया।

दयानंद कॉलेज में हीरक जयंती समारोह का भव्य आयोजन

शिक्षा के वैदिक मूल्य और आधुनिक तकनीकी विकास के संतुलन की आवश्यकता पर दिया बल

हिसार। मुख्य अतिथि डॉ. पूनम सूरी का स्वागत करते प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह।

प्रबंधक समिति व आर्य समाज समिति के सम्मानित पदाधिकारी व अन्य गणमान्य अतिथि शिक्षा की सफर की इस यशोगान समारोह की शुरुआत के साक्षी बने। मुख्य अतिथि पद्मश्री डॉ. पूनम सूरी ने कहा कि शिक्षा के वैदिक मूल्य, आर्य समाज की शिक्षाओं, राष्ट्रीय चरित्र निर्माण और आधुनिक तकनीकी विकास के संतुलन की आवश्यकता पर बल दिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि द्वारा महाविद्यालय की उन्नति में योगदान देने वाले विशिष्ट अध्यापकों, सदस्यों और शैक्षणिक, एनसीसी, एनएसएस, सांस्कृतिक खेलकूद के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्रों को भी सम्मानित किया गया। समारोह का विशेष आकर्षण महाविद्यालय और डीएवी स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा स्वामी दयानंद सरस्वती के जीवन पर आधारित 'लघु नाटिका' और अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियां रही।

कार्यक्रम की शुरुआत हवन से

इससे पूर्व कार्यक्रम की शुरुआत में वैदिक रीति का अनुसरण करते हुए मंत्रोच्चारण के साथ हवन का आयोजन किया गया, जिसमें यजमान की भूमिका में पद्मश्री आर्यरत्न पूनम सूरी ने आहुतियां देकर आध्यात्मिक ऊर्जा को आत्मसात किया। तत्पश्चात मुख्य अतिथि ने महाविद्यालय के 75 वर्षों के स्वर्णिम सफर की गौरव गाथा और नींव पत्थर से 'ए प्लस प्लस' ग्रेड प्राप्त करने की विकास यात्रा और ऐतिहासिक उपलब्धियां और उल्लेखनीय नवाचारों को दर्शाती हुई प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।

पत्रिका 'हेरिटेज' का विमोचन

'अतिथि देवो भव' की परंपरा की अनुपालना करते हुए महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह और उनकी अर्धांगिनी शोभा चहल द्वारा मुख्य अतिथि पद्मश्री पूनम सूरी और मणि सूरी को पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। दीप प्रज्वलन और डीएवी गान की मधुर प्रस्तुति के साथ मनमोहक मंचीय कार्यक्रम आरंभ हुआ। इसके बाद अतिथि ने महाविद्यालय की हीरक प्रगति यात्रा को उजागर करती हुई पत्रिका 'हेरिटेज' का विमोचन किया गया। प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह ने महाविद्यालय की 'वार्षिक रिपोर्ट' प्रस्तुत की।

हिसार। योग शिविर में योगाभ्यास करती विधायक सावित्री जिंदल, जिलाध्यक्ष आशा खेदड़, उपायुक्त अनीश यादव, पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन व अन्य तथा महाबीर स्टेडियम में योग करते लोग। फोटो : हरिभूमि

महाबीर स्टेडियम में जिला स्तर पर मनाया गया 11वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

योग स्वस्थ जीवन का आधार और सशक्त राष्ट्र की पहचान : सावित्री

जिला स्तर पर महाबीर स्टेडियम में शनिवार को आयुष विभाग, हरियाणा योग आयोग व प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में योग दिवस मनाया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हिसार। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर योगाभ्यास करती छात्राएं। फोटो : हरिभूमि

11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष में जिला स्तर पर महाबीर स्टेडियम में शनिवार को आयुष विभाग, हरियाणा योग आयोग तथा जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में योग दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में हिसार विधायक सावित्री जिंदल ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भी वर्चुअली कार्यक्रम से जुड़े और अपना संदेश दिया।

जिला स्तरीय कार्यक्रम में अपने संबोधन में विधायक सावित्री जिंदल ने उपस्थित नागरिकों से कहा कि योग स्वस्थ जीवन के आधार के साथ-साथ सशक्त राष्ट्र की पहचान भी है। हमारा देश महापुरुषों की भूमि है। वर्तमान दौर में सभी की जिंदगी भाग-दौड़ की हो गई है, जिससे मन में तनाव भी रहता है। योग न सिर्फ तनाव को दूर करता है, बल्कि शरीर में ऊर्जा भी पैदा करता है। अगर शरीर स्वस्थ रहता है तो जीवन में विकास की गति भी तीव्र रहती है। संकल्प लेना चाहिए कि हमें योग के जरिये आगे बढना है। योग ऐसी जीवन शैली है, जिसको व्यक्ति अपने जीवन में अपनाकर आमूलचूल परिवर्तन कर सकता है। योग से जहां शरीर तो स्वस्थ होता ही है, वहीं योग से मन, बुद्धि तथा आत्मा का उत्थान भी होता है। कार्यक्रम में आयुष विभाग एवं पतंजलि योग समिति सहित विभिन्न संगठनों एवं संस्थाओं के प्रतिनिधियों को स्मृति चिन्ह तथा विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले नागरिकों तथा बच्चों को भी प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में उपायुक्त अनीश यादव, पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन, अतिरिक्त उपायुक्त सी. जयाश्रद्धा, भाजपा जिलाध्यक्ष आशा खेदड़, संयुक्त आयुक्त प्रीतपाल सिंह, नगराधीश हरिराम, सीईओ जिला परिषद हरबीर सिंह, भाजपा नेता अशोक मित्तल, संजीव रेवडी, समाजसेवी जगदीश जिंदल, ललित शर्मा एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी/कर्मचारियों सहित विभिन्न स्कूलों के बच्चों एवं आमजन ने योग प्रोटोकॉल का अभ्यास किया।

कैडेट्स व स्वयंसेविकाओं ने ली नियमित योग करने की शपथ

हिसार। भिवानी रोहिल्ला स्थित महारानी लक्ष्मीबाई कॉलेज में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के 3 हरियाणा गर्ल्स बटालियन एनसीसी से जुड़े आर्मी विंग कैडेट्स, नं 1 हरियाणा एयर स्कावडन से जुड़े एनसीसी एयर विंग कैडेट्स व एनएसएस स्वयंसेविकाओं ने नियमित योग करने की शपथ ली। महाविद्यालय चेयरमैन भारत भूषण प्रधान ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि योग शरीर को रोगमुक्त रखता है और मन को शांति प्रदान करता है। भारत ने योग को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाकर योग के जरिए सांस्कृतिक एकता को बढ़ावा दिया। महाविद्यालय डायरेक्टर डॉ नीलम प्रभा ने योग के महत्व को बताते हुए कहा कि योग को अपनाने से व्यक्ति बेहतर शारीरिक फिटनेस ,मानसिक स्पष्टता, भावनात्मक संतुलन और आध्यात्मिक विकास की यात्रा शुरू कर सकते हैं ।महाविद्यालय प्राचार्या डॉ शमीम शर्मा ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस सांस्कृतिक आदान-प्रदान और एकता के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है ।योग व्यक्तिगत कल्याण तक ही सीमित नहीं है, योग हमें एक साझे उद्देश्य में एकजुट करता है जब हम एक साथ योग का अभ्यास करते हैं तो हम एक शक्तिशाली ऊर्जा क्षेत्र का निर्माण करते हैं जो सीमाओं संस्कृतियों और मतभेदों को पार करता है।

योग विश्व को भारत की अद्भूत देन : प्रो. बिश्नोई

हिसार। योग दिवस के उपलक्ष्य पर आयोजित कार्यक्रम में योग करते कुलपति प्रो. नरसीराम बिश्नोई। फोटो :हरिभूमि

■ गुजवि में अंतराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य पर हुआ कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसीराम बिश्नोई ने कहा है कि वर्तमान समय में जब सम्पूर्ण विश्व पर्यावरणीय संकटों और जीवनशैली जनित रोगों से जूझ रहा है, ऐसे में योग एक प्रभावी समाधान प्रस्तुत करता है। 'योगा फॉर वन अर्थ-वन हेल्थ' का संदेश योग के माध्यम से संपूर्ण मानवता तक पहुंचना चाहिए। योग भारत की विश्व को अद्भूत देन है। विश्व इसके लिए भारत का हमेशा कृतज्ञ रहेगा। कुलपति प्रो. नरसीराम बिश्नोई अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य पर विश्वविद्यालय में आयोजित योग समारोह को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। विश्वविद्यालय के योग विज्ञान विभाग के सौजन्य से आयोजित इस आयोजन में कुलसचिव डा. विजय कुमार विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मुख्यवक्ता गीता अकादमी हिसार के आचार्य सचिन दीक्षित थे। अध्यक्षता विभागाध्यक्ष प्रो. शबनम जोशी ने की।

इस अवसर पर ऑर्गेनाइजिंग कमेटी के मेंबर प्रोफेसर जसप्रीत कौर व डॉ. कालिंदी आदि सहित अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष व विश्वविद्यालय के अधिकारी, कर्मचारी व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

लायंस क्लब ने मोक्ष आश्रम में गद्दे व बिस्तर वितरित किए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

लायंस क्लब हिसार ए फिरोजा ने मोक्ष वृद्ध महिला आश्रम में प्रोजेक्ट लगाकर आश्रम में रहने वाले लोगों के लिए गद्दे, तकिये व चद्दरें प्रदान की। प्रोजेक्ट के चेयरमैन अश्वनी नारंग थे जिन्होंने अपनी सेवाओं को बखूबी निभाया।

क्लब के सचिव पवन सरदाना ने बताया कि आश्रम को इन सभी सामान के अलावा आश्रम में रहने वाले लगभग 200 लोगों में फल भी वितरित किए गए।

इस अवसर पर क्लब के जोन चेयरमैन प्रवीण नारंग, प्रधान दुनीचंद गोयल, सचिव पवन सरदाना, कैशियर राजेश बहार के अलावा हरीश छाबड़ा, मुकेश बजाज, सुरेन्द्र बजाज, सुरेन्द्र नैन, अशोक नागपाल, रविन्द्र सचदेवा, अनिल खट्टर, महेश चौधरी, सुरेन्द्र छिन्दा, राजकुमार सिंगल, जगन ढींगड़ा आदि भी उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

बिजली उपभोक्ताओं की सुनवाई कल

हिसार। दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम द्वारा हिसार जोन के तहत आने वाले जिला हिसार, भिवानी, सिरसा, जींद, चरखी दादरी और फतेहाबाद के बिजली उपभोक्ताओं की शिकायतों की सुनवाई 23 जून को प्रातः 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक मुख्य अभियंता/परिचालन, दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम, विद्युत नगर, हिसार के कार्यालय में की जाएगी। प्रवक्ता ने बताया कि मुख्य अभियंता की अध्यक्षता में कमेटी उपभोक्ताओं की शिकायतों की सुनवाई करेगी।

गुरु दक्ष प्रजापति कुम्हार समाज आज

हिसार। गुरु दक्ष प्रजापति कुम्हार समाज की एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक बैठक का आयोजन 22 जून को किया जाएगा। यह बैठक रेलवे स्टेशन के निकट प्रेम नगर स्थित कुम्हार धर्मशाला में आयोजित होगी। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में हरियाणा सरकार के लोक निर्माण विभाग एवं जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा उपस्थित रहेंगे।

ओम विवि में योग दिवस का भव्य आयोजन

■ उत्साह और प्रेरणा के साथ मनाया गया, प्रो-चांसलर डॉ. पूनम ने योग का महत्व समझाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हिसार। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर उपस्थित स्टाफ सदस्य व विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

ओम स्टर्लिंग ग्लोबल विश्वविद्यालय में एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य थीम के आधार पर शनिवार को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस अत्यंत उत्साह और प्रेरणा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर, विश्वविद्यालय के चांसलर डॉ. पुनीत गोयल और प्रो-चांसलर डॉ. पूनम गोयल ने योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को स्वस्थ जीवन शैली अपनाने का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान, विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एन.पी. कौशिक ने योग के विभिन्न लाभों पर विस्तार से चर्चा की और सभी को नियमित योगाभ्यास करने का प्रेरित किया। इस विशेष दिवस के अवसर पर , विश्वविद्यालय में एक योग कार्यशाला का भी आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों और शिक्षकों ने भाग लिया और विभिन्न योगासनों का अभ्यास किया।

योगा विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ प्रभात ने कहा कि प्रतिदिन 15 मिनट का योग हर व्यक्ति के लिए जरूरी है।

इस आयोजन के दौरान डॉ राकेश धीमान, डॉ राजेश नांदल, शिक्षक सुखबीर व अन्य विभागों के डीन मौजूद रहे।

दिल्ली पब्लिक स्कूल में उल्लासपूर्वक मनाया गया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हिसार। योगाभ्यास करते बच्चे। फोटो :हरिभूमि

दिल्ली पब्लिक स्कूल में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पूरे उल्लास, अनुशासन और श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में एक विशेष सामूहिक योग सत्र आयोजित किया गया जिसमें विद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं प्रशासनिक स्टाफ ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। ग्रीष्मकालीन अवकाश के चलते जो विद्यार्थी बाहर घूमने गए थे उन्होंने भी योग अभ्यास किया। कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चारण एवं ध्यान अभ्यास से हुआ जिसने वातावरण को सकारात्मक ऊर्जा से भर दिया। इसके पश्चात प्रशिक्षित योगाचार्यों के निर्देशन में विद्यार्थियों ने सूर्य नमस्कार, भुजंगासन, वृक्षासन, प्राणायाम और अनुलोम-विलोम जैसे विभिन्न योगासनों का अभ्यास किया। योगाभ्यास के दौरान विद्यार्थियों को योग के शारीरिक, मानसिक और आत्मिक लाभों के प्रति जागरूक भी किया गया।

इस अवसर पर प्रधानाचार्या मंजु सुधाकर ने विद्यार्थियों व शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि योग भारत की अमूल्य सांस्कृतिक धरोहर है, जो तन, मन और आत्मा को संतुलित करता है।

एसडी कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में छात्राओं ने किया योगाभ्यास

हांसी। श्री सनातन धर्म कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में शनिवार को 11 वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को बड़े उत्साह व जोश के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय प्राचार्या रेणु बंसल ने की। कार्यक्रम अधिकारी रमता रानी द्वारा विद्यार्थियों को ताड़ासन, तिकोनासन, भुजंग आसान, सूर्य नमस्कार सहित विभिन्न योगासन और प्राणयाम करवाए। और छात्रों को योग के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। विद्यालय प्राचार्या रेनू बंसल ने अपने संबोधन में छात्राओं को अपने दैनिक जीवन में योग को अपनाने का संदेश देते हुए कहा कि यह शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है। उन्होंने बताया कि योग शिविर के आयोजन का उद्देश्य छात्रों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाना और भारतीय संस्कृतिक धरोहर योग के महत्व को समझाना है । विद्यालय संरक्षक सज्जन कुमार, अग्रवाल, अध्यक्ष प्रीतम कुमार गोयल, प्रबंधक रजत कुमार अग्रवाल, उप सचिव लक्ष्मी कांत गोयल , प्रबंधक समिति के सदस्य चंद्र कुमार गर्ग, नकुल कुमार अग्रवाल ने कहा कि योग शरीर, मन और आत्मा का संतुलन बनाए रखता है। यह स्वास्थ्य तन और शांत मन की कुंजी है। योग जहां तनाव को दूर करता है वहीं नियमित योग करने से शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली मजबूत होती है। इस अवसर पर स्टाफ के अन्य सदस्य भी उपस्थित थे।

योग विचारों की शुद्धि और आत्मबल का स्रोत : मेयर

बरवाला। 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में जीरी मंडी मैदान में भव्य योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि हिसार के मेयर प्रवीण पोपली ने शिरकत की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की आत्मा है, जो तन, मन और आत्मा को संतुलित रखता है। योग विचारों की शुद्धि और आत्मबल का स्रोत है। आज के भागदौड़ भरे जीवन में योग अपनाना अत्यंत आवश्यक हो गया है। पोपली ने कहा कि योग केवल शरीर को ही नहीं, बल्कि विचारों को भी शुद्ध करता है। यह व्यक्ति के आत्मबल को बढ़ाकर उसे समाज के प्रति जागरूक और जिम्मेदार बनाता है। एसडीएम डॉ वेदप्रकाश बेनीवाल ने कार्यक्रम में उपस्थित नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि वे रोजाना योग को अपने जीवन में अपनाएं ताकि वे न केवल शारीरिक रूप से स्वस्थ रहें, बल्कि मानसिक रूप से भी सशक्त बन सकें। योग एक जीवन शैली है, जो अनुशासन, एकाग्रता और आत्मविकास की दिशा में मार्गदर्शक है। कार्यक्रम में बरवाला नगर पालिका के चेयरमैन रमेश बैटरीवाला, भाजपा जिला उपाध्यक्ष रणधीर सिंह धीरू, एचएसएससी सदस्य साधु राम जाखड़, तहसीलदार राजेश गर्ग, ग्रीवेंस सदस्य देवेंद्र शर्मा, मार्केट कमेटी सदस्य नरेंद्र कुंडू, पीडब्ल्यूडी एसडीओ रणसिंह सहित बच्चे एवं गणमान्य नागरिकों ने योग प्रोटोकॉल का अभ्यास किया।

बरवाला। योग दिवस का शुभारंभ करते हिसार के मेयर प्रवीण पोपली व अन्य।

योग साधना संपूर्ण जीवनशैली, इसे दिनचर्या में शामिल करें : डॉ. सैनी

■ राजकीय महाविद्यालय में योग दिवस धूमधाम से बनाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हिसार। योगाभ्यास करते कॉलेज स्टाफ सदस्य एवं विद्यार्थी।

राजकीय महाविद्यालय में 11वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस थीम एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। यह आयोजन हरियाणा योग आयोग एवं उच्चतर शिक्षा विभाग, हरियाणा के दिशा-निर्देशों के तहत संपन्न हुआ।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विवेक कुमार सैनी ने समारोह की अध्यक्षता करते हुए कहा कि योग साधना एक संपूर्ण जीवनशैली है इसलिए अपनी दिनचर्या में शामिल करना चाहिए। महाविद्यालय परिसर में शारीरिक शिक्षा विभागाध्यक्ष डॉ. सुखबीर दुहन के नेतृत्व में योग शिक्षक मोहित ने योग प्रोटोकॉल का विधिवत अभ्यास करवाया। इसके साथ ही इस अवसर पर महाविद्यालय के एनएसएस और एनसीसी के 100 कैडेट जिलास्तरीय योग शिविर में भाग लेने महावीर स्टेडियम में पहुंचे।

इस अवसर पर, प्रो राजेंद्र सेवदा, प्रोग्राम अधिकारी शमशेर सिंह , राजेंद्र प्रसाद, सरोज कुमारी , कैप्टन स्नेहलता , फ्लाइंग ऑफिस गोविल जिंदल , समेत समस्त स्टाफ सदस्य उपस्थित थे।

हकृवि में 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

नियमित योग ही निरोग जीवन का आधार: प्रो. काम्बोज

■ शहीद मदनलाल ढींगरा बहुउद्देशीय हाल में आयोजित कार्यक्रम में योगासन, प्राणायाम सहित योगाभ्यास की अनेक क्रियाएं करवाईं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हिसार। योग क्रियाओं का अभ्यास करते हुए कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज एवं अन्य। फोटो :हरिभूमि

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर शहीद मदनलाल ढींगरा बहुउद्देशीय हाल में आयोजित कार्यक्रम में योगासन, प्राणायाम सहित योगाभ्यास की अनेक क्रियाएं की गई। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने मुख्य अतिथि रहे। कुलपति प्रो. काम्बोज ने अपने सम्बोधन में कहा कि योग को केवल एक दिवस का उत्सव न समझें बल्कि उसे अपने जीवन की दिनचर्या में आत्मसात करें क्योंकि नियमित योग ही निरोग जीवन की आधारशिला है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को एकाग्रता व निरंतरता के साथ अपने दैनिक-दिनचर्या में योग को अपनाना चाहिए। इससे पूर्व छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़ ने कार्यक्रम में उपस्थित हुए सभी महानुभावों का स्वागत किया और उन्हें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की बधाई दी।

कार्यक्रम का संचालन सह-निदेशक छात्र कल्याण डॉ. सुशील लेगा ने किया जबकि हकृवि योगा क्लब के अध्यक्ष एवं मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य ने धन्यवाद किया।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, 22 जून 2025

कवर स्टोरी
संजय श्रीवास्तव

पालतू जानवरों से बढ़ता लगाव
देश में उभरता नया पेट कल्चर

हाल के वर्षों में महानगरों से लेकर छोटे शहरों और कस्बों में रहने वालों में भी पेट कल्चर यानी पालतू जानवरों के प्रति लगाव तेजी से बढ़ रहा है। यही वजह है कि इससे जुड़े बाजार में भी वर्ष दर वर्ष हजारों करोड़ रुपए की बढ़ोत्तरी हो रही है। समाज में आ रहे इस बदलाव के लिए जीवनशैली, सामाजिक प्रतिष्ठा और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी अनेक वजहें जिम्मेदार हैं। इन वजहों पर एक नजर।

पिछले पांच सालों में अपने देश में पालतू जानवरों के पालने के ट्रेंड में अप्रत्याशित बढ़ोत्तरी हुई है। पालतू पालनहारे पचास फीसद बढ़ गए हैं। इससे संबंधित बाजार भी बेतहाशा बढ़ा है। इसके साथ ही इस सिलसिले में कई नवाचार भी सामने आए हैं। इस नए 'पेट कल्चर' के पीछे कई तरह के सामाजिक बदलाव काम कर रहे हैं।

लगातार बढ़ रहा बाजार

गौरतलब है कि देश में पालतू पशु-पक्षियों की खरीद-फरोख्त से जुड़ा दस हजार करोड़ रुपए के आस-पास का बाजार अगले दो बरस तक तकरीबन 14 हजार करोड़ तक और 2032 तक अनुमान है कि 21,000 करोड़ रुपए से ऊपर पहुंच जाएगा। यह उम्मीद इसलिए कि बीते एक दशक से छोटे-बड़े भारतीय शहरों और कस्बों में पालतू जानवर पालने का ट्रेंड और क्रेज बेतहाशा बढ़ा है और 16 फीसदी से ज्यादा की अप्रत्याशित ऊंची दर से बढ़ता ही जा रहा है।

बढ़ रहे हैं पेट लवर्स

बेशक देश में पालतू जानवर रखने वालों यानी पेट लवर्स की संख्या बढ़ रही है। देश में तकरीबन 35 करोड़ पंजीकृत पालतू जानवर हैं। साल दर साल इसमें 12 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोत्तरी हो रही है। इनसे कई गुना गैर पंजीकृत पालतू जानवर हैं और उनकी बढ़त दर इससे दोगुनी होनी तय है। संबंधित सर्वेक्षण बताते हैं कि धनवानों के बड़े आलीशान घरों में ही नहीं निम्न मध्यम वर्ग के छोटे घरों में भी विभिन्न नस्लों के कुत्ते, बिल्ली, पक्षी वगैरह पल रहे हैं। वे अपने अनुरूप पालतू जानवरों को प्राथमिकता दे रहे हैं। अपने देश में कुत्ता सबसे लोकप्रिय पालतू जानवर है, इनकी संख्या करोड़ों में है। अब बिल्ली का चलन भी बढ़ रहा है। लोग मैना, खरगोश, कबूतर, मछलियों के अलावा कछुए और विदेशी पक्षियों को भी पाल रहे हैं। यह चलन छोटे-बड़े शहरों, कस्बों में जिस तरह बढ़ चला है, वह कतई कम होता नहीं दिखता। लोग शौकिया तौर पर पशु-पक्षी पहले भी पालते थे पर अचानक इसमें अप्रत्याशित बढ़ोत्तरी कुछ चौंकाती है। हर वर्ष छह लाख से अधिक नए लोग पालतू जानवर पालक बन रहे हैं तो निश्चित ही समाज के आचार, विचार, कार्य व्यवहार में कोई ऐसा बदलाव आया है, जिसने उसे इस ओर स्वतःस्फूर्त प्रेरित किया है।

विदेशों में भी बढ़ रहा ट्रेंड

भारत ही नहीं दुनिया भर में जबरदस्त पेट कल्चर विकसित हो रहा है। भारत समेत कई दूसरे एशियाई देशों में भी पिछले पांच बरसों में 50 फीसद पालतू बढ़ गए हैं। आज दुनिया में एक अरब से अधिक पालतू जानवर हैं। 52 फीसद लोगों के घर में कोई न कोई पालतू जानवर है। अमेरिका, ब्राजील, यूरोपीय संघ और चीन मिलकर संसार के आधे पालतू कुत्ते और बिल्ली रखते हैं। इस साल चीन दुनिया में सबसे ज्यादा पालतू जानवर वाला देश बन गया है। नया 'पेट कल्चर' सुर्खियों में है और इस पर वैश्विक चर्चा चल पड़ी है कि आखिर आधे दशक के भीतर ऐसे कौन से सामाजिक, आर्थिक बदलाव आए हैं कि पालतू जानवरों का बाजार बेतहाशा जोर पकड़ गया? उनकी देखरेख, भोजन, साज संभाल और दीगर जरूरतों, उत्पादों की तेजी और भारी मांग एवं इस दिशा में तकनीकी प्रयोगों तथा नवाचारों ने सबका ध्यान खींचा है।

पेट कल्चर बढ़ने की वजह

सर्वेक्षणों ने साबित किया है कि पेट कल्चर बढ़ने की बड़ी वजह, शहरी आबादी का बढ़ना, संयुक्त परिवार का टूटना है। फ्लैटों में रहने वाले एकल परिवार अकेलेपन की दवा कुत्ते-बिल्लियों के साथ में तलाश रहे हैं। पालतुओं के अधिकतर मालिक 20 से 30 साल की आयु के 'मिलेनियल्स' हैं। इनमें से ज्यादातर छोटे परिवार, बेहतर या दोहरी आय, अच्छी शिक्षा वाले हैं, जो घर से काम करते हैं। वे देर से बच्चे पैदा करने, जीवनशैली में बदलाव के चलते पालतू पालते हैं। वे उन्हें मौज मजे, खेल का सामान नहीं, बतौर फैमिली मेंबर ट्रीट कर रहे हैं। ये पेट केयर उनके लिए माता-पिता बनने की ट्रेनिंग भी है। माता पिता बच्चों के मानसिक विकास में पालतू जानवरों की भूमिका को समझते हुए उन्हें उनके साथ विकसित होने का मौका दे रहे हैं। इसके अलावा सोशल मीडिया पर पालतू जानवरों से जुड़ी सामग्री लोगों को इन्हें अपनाने के लिए प्रेरित कर रही है। धनिकों के मुहल्लों के अलावा 'पेट कल्चर' उन जगहों पर ज्यादा तेजी से बढ़ रहा है, जहां 'मध्यम वर्ग' का विस्तार हो रहा है। एक तो पालतू जानवरों के प्रति नजरिया बदला है, कुछ पैसा आया है और अपने स्टेटस को बनाने, बनाए रखने, दूसरों से अलग दिखने के चक्कर में भी वे 'पेट कल्चर' की वृद्धि में सहयोग दे रहे हैं। नौकरी पेशा अकेला युवा, पालतू जानवर को अकेलेपन तथा मानसिक स्वास्थ्य की दवा मानता है, क्योंकि मनोचिकित्सक बताते हैं कि पालतू जानवर तनाव कम करने और खुशी बढ़ाने में मदद करते हैं। बुजुर्ग इसे बुढ़ापे के साथी के तौर पर ले रहे हैं। भारतीय अपने पालतू पर महीने में औसतन पांच हजार खर्चते हैं। हैसियत से बढ़कर व्यय करने में कोताही इसलिए नहीं बरतते, क्योंकि वे उन्हें परिवार का प्रिय सदस्य मानते हैं। सो इससे संबंधित बाजार छलांग लगा रहा है और इसमें प्रतिस्पर्धा के चलते हर दिन नए उत्पाद, नवाचार इस क्षेत्र में शामिल हो रहे हैं। *

स्वागत को तैयार बाजार-तकनीक

भारत का पेट केयर मार्केट संसार में सबसे तेज बढ़त वालों में से है। यह बाजार अभी 36 हजार करोड़ रुपए का है। अंदाजा है अगले तीन वर्षों में दोगुना और दस वर्षों में आठ गुना होगा। पालतू की देखभाल में ई-कॉमर्स की हिस्सेदारी 35 प्रतिशत पहुंचने जा रही है। व्यापक व्यावसायिक अवसर देख तमाम इंटरनेशनल ब्रांड, देशी स्टार्टअप्स इधर दौड़ पड़े हैं। पालतुओं के लिए रेस्टोरेंट, कैफे और पार्क जहां वे दूसरे जानवरों से मिल सकें, ग्रूमिंग सेंटर, मॉल तो खुलने ही लगे हैं, ओपीडी तथा सर्जरी की बीमा सुविधा का बाजार भी साढ़े छह हजार करोड़ के करीब पहुंच गया है। ज्यादातर नए पालतू पालक मिलेनियल्स और जेन जेड हैं, जिन्हें अपने प्रिय पालतू के लिए किसी भी कीमत पर अनोखे उत्पाद और बेहतर सेवाएं चाहिए। इसलिए साल दर साल बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए इस क्षेत्र का बाजार नित नए उत्पाद और सेवाएं प्रस्तुत कर रहा है। जीपीएस और सेंसर लगे स्मार्ट कॉलर पालतू जानवरों की गतिविधि, नींद के पैटर्न और स्वास्थ्य संकेतों की तो खबर रखते ही हैं, उनकी तात्कालिक लोकेशन भी बताते हैं, इसके लिए रिमोट कैमरा मॉनिटरिंग सिस्टम भी आ रहा है। आर्टीफीशियल इंटेलिजेंस वाले हेल्थ मॉनिटरिंग सिस्टम उनकी स्वास्थ्य समस्याओं के आगत का संकेत देकर उन्हें सचेत करते हैं। पालतू जानवरों के मालिक उनके लिए ऑनलाइन डिजिटल हेल्थकेयर सर्विस तथा टेलीमेडिसिन सेवा के जरिए घर बैठे डॉक्टरी सलाह ले सकते हैं। पालतुओं के इलाज हेतु स्टेम सेल थेरेपी जैसी आधुनिक चिकित्सा तकनीक का भी उपयोग हो रहा है।

स्पेशल: इंटरनेशनल डे अगेंस्ट ड्रग एब्यूज एंड इलिसिट ट्रैफिकिंग, 26 जून

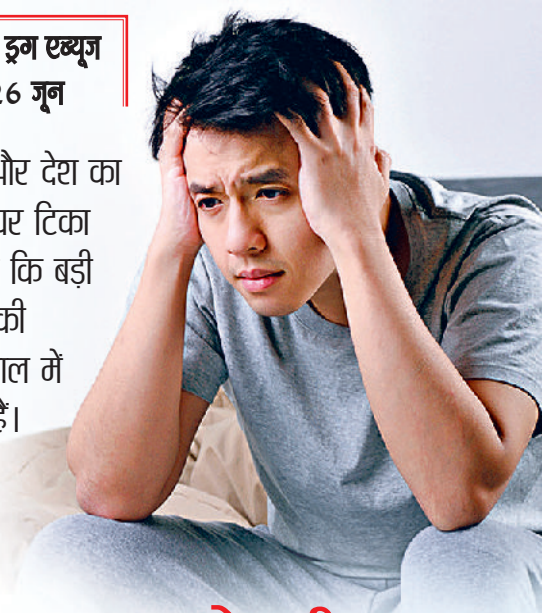

किसी भी परिवार, समाज और देश का भविष्य युवा पीढ़ी के कंधों पर टिका होता है। लेकिन विडंबना है कि बड़ी संख्या में युवा कूल बनने की भ्रामक चाहत में नशे के जाल में फंसने की भूल कर बैठते हैं। ऐसे में जरूरी है युवा पीढ़ी नशे के जाल से बचे रहने का हर संभव प्रयास करे।

न करें कूल बनने की भूल
नशे की लत से बचें युवा

सोशल इश्यू
डॉ. मोनिका शर्मा

अभी कुछ समय पहले सर्वोच्च न्यायालय ने युवाओं में बढ़ रही नशे की लत को लेकर चिंता जताते हुए कहा था, 'ड्रग्स का सेवन करना बिल्कुल भी 'कूल' नहीं है। यह खतरनाक है कि आज युवाओं के बीच इसका इस्तेमाल 'कूल' समझा जाने लगा है। यह लत दोस्ती का सबब बन गई है।' युवाओं की ही आम भाषा में चेताते हुए सुप्रीम कोर्ट के शब्द, आधुनिक जीवनशैली और नशा करने को जोड़कर देखने वाली मानसिकता पर चोट करने वाले हैं। न्यायालय की नसीहत, देश के युवाओं को जिंदगी के मनगढ़ंत अंदाज के जाल में फंसने को लेकर चेताती है। साथ ही अजब-गजब छवि गढ़ने के फेर में नशे की लत का शिकार हो जीवन को बिखराव से बचाने की सीख भी लिए है।

नकारात्मकता से घिरता जीवनः जमीनी जुड़ाव वाले भारतीय समाज में युवाओं की नई जीवनशैली चिंता का सबब बन गई। युवा पीढ़ी के दिखावटी-बनावटी होते बर्ताव से जुड़ी सबसे बड़ी चिंता नशीले पदार्थों के सेवन से जुड़ी है। महानगरों में ही नहीं दूर-दराज के गांवों में भी नशे का जाल फैल गया है, जबकि लत का रूप ले लेने वाली नशे की आदत जीवन के हर पहलू पर दुष्प्रभाव डालती है। ऊर्जावान आयुवर्ग में ही बीमारियों का शिकार बना देती है। परिवार का ही नहीं देश का भविष्य कहे जाने वाले युवाओं को सदा के लिए दिशाहीन कर देती है। नशीले पदार्थों का सेवन व्यक्तिगत, सामाजिक, आर्थिक और यहां तक कि मानवीय सोच पर भी नकारात्मक प्रभाव डालता है। इस जाल में फंसे युवा नशीले पदार्थ खरीदने के लिए आपराधिक गतिविधियों तक का हिस्सा बन जाते हैं। हिंसात्मक व्यवहार, सड़क दुर्घटनाएं और स्वयं अपना जीवन छीन लेने जैसी समस्याओं से भी नशे की लत गहराई से जुड़ी है। सुप्रीम अदालत द्वारा भी ड्रग तस्करी के एक मामले की सुनवाई करते हुए युवाओं से समझदारी दिखाने की अपील करते हुए कहा गया कि 'यंगस्टर्स को भी यह समझना होगा कि ड्रग्स के इस्तेमाल से दूर रहें और अपने विवेक का इस्तेमाल करें। ना केवल दोस्तों के दबाव में आकर ड्रग्स लेने की प्रवृत्ति से दूर रहें बल्कि उन लोगों को अनुसरण करने से भी बचें, जो इसकी लत के शिकार हैं।' यकीनन हर तरह की नकारात्मकता का घेरा कसने वाली इस आदत से युवाओं का दूर रहना ही उचित है।

आपराधिक गतिविधियों की बड़ी वजहः शोध पत्रिका 'ड्रग एंड अल्कोहल रिव्यू' द्वारा सेक्सुअल क्राइम और शराब के संबंध पर किए गए सर्वेक्षणों के मुताबिक सेक्सुअल क्राइम के लगभग आधे मामले नशे की हालत में ही होते हैं। ऐसे मामले भी सामने आ चुके हैं, जिनमें नशे के लती युवा चोरी, झूठ और जालसाजी के साथ ही परिवारजनों की जान तक लेने से नहीं चूके। एक रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया भर में शराब पीना मौत और अपाहिज होने का पांचवां सबसे प्रमुख कारण है।

परिवार-समाज को आगे आना होगाः नयायालय ने अपने निर्णय में यह भी कहा है कि 'नशे की लत सामाजिक-आर्थिक और मनोवैज्ञानिक मोर्चे पर बुरा प्रभाव डालती है। यह देश के युवाओं की चमक को खत्म करने वाली चीज है। इस लत से बचाने के लिए अभिभावकों, समाज और एजेंसियों को गंभीर प्रयास करने होंगे। इस जाल को खत्म करने के लिए सभी अपने-अपने स्तर पर कोशिश करें।' सुप्रीम अदालत ने यह भी कहा है कि 'इस समस्या से बचाव हेतु कुछ दिशा-निर्देश तय करने आवश्यक हैं। साथ ही यह भी सलाह दी है कि स्नेह और सपोर्ट से नशे के जाल में फंसे लोगों को निकालने के प्रयास किए जाएं। ड्रग्स की लत के शिकार लोगों के प्रति हमारा नजरिया उनको सुधारने वाला होना चाहिए।' *

इसलिए मनाते हैं यह दिवस

युवाओं में, ड्रग्स से होने वाले नुकसान की समझ और सजगता को बढ़ाने के लिए हर वर्ष 26 जून को इंटरनेशनल डे अगेंस्ट ड्रग एब्यूज एंड इलिसिट ट्रैफिकिंग मनाया जाता है। यूनाइटेड नेशंस द्वारा 1989 से मनाया जा रहा यह दिन नशे के खिलाफ अवेयरनेस लाने और लोगों को स्वस्थ जीवन जीने के लिए प्रोत्साहित करता है। यह दिवस विशेष रूप से नशीली दवाओं के दुरुपयोग से मुक्त दुनिया बनाने का संदेश देता है। समझना आवश्यक है कि नशे की लत हर तरह से नुकसानदेह ही होती है। नशा चाहे जिस तरह से भी किया जाए, मन-जीवन ही नहीं परिवार, समाज और देश में भी बिखराव ही लाता है।

कहानी / संजीव ठाकुर

अंतहीन

उस बुढ़िया का उससे कोई रिश्ता-नाता नहीं था, लेकिन वह उनके घर की सदस्य जैसी घुल-मिल गई थी। अपना दुखड़ा सुनाती, बिन मांगे ही सलाहें देती और खूब नोक-झोक भी करती। एक अनाम मानवीय रिश्ते को उकेरती मार्मिक कहानी।

यह सुनते ही कि हम लोग यहां से चले जाएंगे, वह रो पड़ती है। उसे चुप कराना हमारे लिए मुश्किल हो जाता है। दो साल हुए हमारे नवगछिया आए। तब से आज तक एक भी दिन ऐसा नहीं हुआ, जब हमारे घर चाय बनी हो और उसे नहीं पिलाई गई हो। सुबह होते ही लाठी खटखटाते वह दरवाजे पर पहुंच जाती और तब तक दस्तक देती रहती, जब तक दरवाजा खोल नहीं दिया जाता। वह आती तो सबसे पहले भाषण देती, 'रोज-रोज कहते हैं सुबह उठा करो, घूमा करो लेकिन तुम मानते ही नहीं!' मैं झूठ बोलते हुए कहता, 'आने दो दूध वाले को, पूछ लेना, आज मैं सुबह-सुबह उसके घर गया था कि नहीं?' फिर कहता, 'लो चाय पियो।' वह चाय पीने लगती और बीच-बीच में अपने उपदेश की पोटली भी खोलती रहती। कभी कहती, 'आज पतोहू डांटी है। कल धकेल दी थी। रात में खाना भी नहीं दी।' हम उसे दिलासा देते हुए चुप कराते और खाने को कुछ न कुछ देते।

काली-कलूटी वह बुढ़िया हमारी कोई नहीं है, न जात की, न गोत्र की। जब पापा की बदली नवगछिया हो गई तो उनके ऑफिस के एक आदेशपाल की मां के रूप में उससे परिचय हुआ था।

जब भी उसे मौका मिलता है, मुझसे पूछने से नहीं चूकती, 'तुम कहां पढ़ते हो?' कभी-कभी तो उसके इस चिर-प्रश्न पर मैं खीज उठता पर कभी बतला देता, 'भागलपुर में।' वह फिर पूछती, 'कहां रहते हो?' मैं बता देता, 'नाथनगर में।' वह बोल पड़ती, 'हां, हमको पता है- वहां एक पुल है, जिसके नीचे से एक तरफ गाड़ी कलकत्ता जाता है, दूसरे तरफ डिल्ली जाता है, पार कर अलीगंज है, फिर मिरजान, फिर नाथनगर है न बेटा!' मैं अपनी हंसी दबाकर कह देता, 'हां, बिल्कुल!' जबकि मिरजान और नाथनगर अलग-अलग दिशाओं में हैं। वह कहती, 'हम सब जानते हैं। भागलपुर में हमरा बहुत लोग रहता है। सूजागंज में भाई का बेटा, अलीगंज में देवर का साला और जेहल (जेल) में बहिन का पोता।' इस पर जब मैं कहता कि 'हां, जेहल में तुम्हारा पोता बंद है शायद चोरी किया था।' तब वह उबल पड़ती, 'तुम खाली-खाली अट-पट बोलते हो। ऊ वहां सिपाही है।' बुढ़िया से मेरा वार्तालाप बहुत मनोरंजक होता था। इससे हमारे घर वाले क्या, आस-पास गुजरने वाले लोग भी हंस पड़ते थे। मैं कहता, 'बूढ़ी माय! तुम्हारा पति तुम्हें स्वर्ग बुला रहा है, जाओ!' वह कहती, 'भगवान की मर्जी, जब चाहे ले जाए।'

मैं कहता, 'मैं भी तुम्हारे साथ चलूंगा।' वह कहती, 'धत! फिर क्या अल-बल कहने लगे हो? तुम्हरा आंग-समांग बढ़िया रहे। तुम तीनों बाप-बेटा सुख से रहो। मरे तुम्हरा दुसमन!'

'अच्छा, वहां रेलवे लाइन पर बड़-गाछ में जो 'जख-बाबा' रहते हैं, वे क्या करते हैं?' एक घिसा-पिटा सवाल मैं करता तो वह कह उठती, 'अरे! बेटा, मत बोलो। नाम भी मत बोलो। ऊ बड़ा गुस्सैल देवता है-चलते गाड़ी को रोक देता है।'

बुढ़िया की इस गंभीर बात से भी मैं हंसी की दो-चार फुलझड़ियां निकाल ही लेता था। मैं अगला प्रश्न करता, 'तुम्हारे पति क्या करते थे?' बुढ़िया जवाब देती, 'ऊ सरदार था। बजार का सब मोटिया का सरदार! सब सेठ लोग उसको मानता था। हमको भी पहचानता था। अब न चलने-फिरने से लचार है। पहले तो घूमते थे। बाजार भी जाते थे।' 'अब यह बताओ सच-सच कि सिकंदर की पत्नी तुमको मानती है कि नहीं?' 'धत! ऊ कंकालिन हमरी पतोहू है? पता नहीं कोन खानदान की है...अरे! बेटा, कुछ मत बोलो! उसका भाय डकेट (डकैत) है। इधरो जेहल गया है।'

'और उसका बाप?'

'ऊ तो अच्छा है। टेलीफोन है। (टेलीफोन ऑफिस में काम करने के कारण बुढ़िया उसे टेलीफोन ही कहती है।) आता है तो अपने बेटी से कहता है-बूढ़ी माय को सताओ नहीं। इसे अच्छा से रखो। मगर कहां मानती है?'

'जानती हो, पापा की बदली छपरा और सिकंदर की बदली पंजाब हो गई है!' किसी दिन झूठ-मूठ का कह देने पर बुढ़िया भड़क जाती, 'तुम्हरे छपरा-खपड़ा आ पंजाब-तंजाब में क्या करेगा वहां जाकर... काहे करता है बदली?'

'अरे! बदली तो साहब करते हैं।'

'एंह! साहब-ताहब! मिले तो मू नोच लें!' इतने में मेरा छोटा भाई राजू आता और कहता, 'दादी! जानती हो, भायजी की शादी ठीक हो गई है।' बुढ़िया पूछ बैठी, 'हां... बेटा सच कहते हो?'

मैं कहता, 'बिल्कुल! लड़की बहुत सुंदर है-एकदम तुम्हारे जैसी!'

'हमरे जैसी? काहे मजाक करते हो बेटा! हम तो काली-कोयली, बिलाय के नोचली हैं।' बुढ़िया कहती तो राजू किसी फिल्मी हीरोइन का फोटो ले आता। फोटो देखकर वह कहती, 'अच्छी तो है, मगर ई फुलपेंट काहे पहनी है? इसका बाल एतना छोटा काहे है?' मैं कहता, 'अच्छा छोड़ो, बारात में तो चलोगी न?'

'हम कैसे जाएंगे? हम तो लंगड़ी हैं!'

'मैं तुम्हें दवाई दे दूंगा दर्द ठीक होने का।'

'खाली ठगते हो! कितने बार बोले, भागलपुर से दवाई लेते आना- वहां का अच्छा होता है। लाते नै हो!'

'अच्छा इस बार आऊंगा तो लेता आऊंगा। उजली वाली दवाई लेता आऊंगा।' 'नहीं, लाल वाला लाना। वही दवा अच्छा होता है।'

बुढ़िया के मन में यह बात बैठ गई है कि सिर्फ लाल वाली दवाई से ही उसकी हड्डी का दर्द, जो कि बहुत दिनों से उसके पैरों में है, छूट सकता है। पर मैं कहां-कहां बिना नाम की लाल दवाई ढूंढ़ता फिरूं? और मैं जानता हूं, अब इस अवस्था में उसका दर्द ठीक नहीं होगा। उसके हरेक दर्द की एक ही दवा है- मृत्यु!...मौत! सबको आनी है, बुढ़िया को भी आएगी। पर इसकी मृत्यु पर इसके घरवालों को जितनी खुशी होगी, उतना ही दुख मेरे घरवालों को होगा। इसकी मौत पर मेरे घर का एक-एक सदस्य आंसू बहाएगा- सिवा मेरे, क्योंकि मेरी आंखें तब पत्थर की हो जाएंगी और बहने को उतावले आंसुओं की बाढ़ को रोक कर मेरे पूरे शरीर में फैला देंगी जो कि खौलते हुए पानी के समान मेरे शरीर के अंदर अंतहीन वेदना सृजित करेंगी- अनंत वेदना! *

इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार

सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार विश्वविख्यात डॉ. प्रमोद पहारिया द्वारा ग्वालियर में हो रहा है। आईये जानते हैं इस तकनीक के असाधारण लाभ–

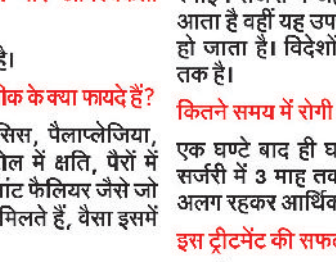

मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश ने डॉ. प्रमोद पहारिया को प्राईड ऑफ एम.पी. अवार्ड दिया।

इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है?
सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।

सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं?
सर्जरी के दौरान पैरालिसिस, पैलाप्लेजिया, ब्लैडर एवं बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लांट फैलियर जैसे जो कॉम्पिलकेशन देखने को मिलते हैं, वैसा इसमें खतरा नहीं है।

किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है?
डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजरनेरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल स्टेनोसिस, स्पॉन्डिलाइटिस आदि में कारगर है।

जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है ?
यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।

किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है?
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।

एक डिस्क लेवल के ट्रीटमेंट में कितना खर्च आता है?
स्पाइन सर्जरी में जहां 3 लाख तक का खर्चा आता है वहीं यह उपचार मात्र 20000 तक में हो जाता है। विदेशों में इसका खर्च 50 गुना तक है।

कितने समय में रोगी घर जा सकता है?
एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।

इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?
90 से 95% सफल है। अब तक लगभग 7,500 मरीज हमेशा के लिए ठीक हो चुके हैं। यह इंजेक्शन प्रॉब्लम साइट में लगाया जाता है।

इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?
इसमें जड़ से इलाज होता है।

क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है?
नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक **विशेष मशीन** की निगरानी में किया जाता है।

NBC@.

Advt...

डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन
MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन– सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली

देहली हॉस्पीटल, ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
समय : दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक
व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें
सम्पर्क – 7354858466 | www.nonsurgicalspinecentre.in

धार्मिक-सांस्कृतिक समरसता की मिसाल

सिंधु दर्शन महोत्सव

इतिहास, धार्मिक आस्था और संस्कृति का अनूठा संगम है सिंधु दर्शन महोत्सव। लद्दाख के लेह में सिंधु नदी के तट पर आयोजित होने वाले इस वार्षिक महोत्सव में भारत की वैविध्यपूर्ण संस्कृति की झलक देख सकते हैं। आगामी 23 से 26 जून तक आयोजित होने वाले इस सांस्कृतिक महोत्सव की विशिष्टताओं पर एक नजर।

सांस्कृतिक उत्सव
धीरज बसाक

सिंधु दर्शन महोत्सव, जैसा कि इसके नाम से ही पता चलता है, सिंधु नदी से जुड़ा एक उत्सव है। आज भारतीय संस्कृति के गौरव का प्रतीक बन चुका यह सिंधु दर्शन महोत्सव, साल 1997 में आरंभ किया गया था और अब यह उत्सव अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मनाया जाता है। महज 29 सालों में इस महोत्सव ने भारत के कोने-कोने में अपनी सांस्कृतिक धमक पहुंचाई है।

सांस्कृतिक-ऐतिहासिक महत्ता: सिंधु नदी का भारत के धर्म और संस्कृति में जो महत्व है, वह तो है ही। इसकी एक ऐतिहासिक और भौगोलिक महत्ता भी है। आज हम सब जिस हिंदू या हिंदुस्तान जैसी आइडेंटिटी को जानते हैं, दरअसल उसका उद्गम स्रोत सिंधु ही है। लेह के लेह शे मनला (लेह से मनाली के बीच का मार्ग) में आयोजित यह महोत्सव हिमालय की खूबसूरती और भौगोलिक सुंदरता के कारण भी भारत की ऐतिहासिकता और भौगोलिकता का गौरव उत्सव माना जाता है।

ऐसे हुई थी शुरुआत: इस महोत्सव की शुरुआत सिंधी समुदाय के 'सिंधु दर्शन अभियान' से हुई, जो अब 'सिंधु दर्शन महोत्सव' के नाम से जाना जाता है। लेह कस्बे से करीब 15 किलोमीटर दूर शेय नामक स्थान पर इस महोत्सव का आयोजन किया जाता है।

अपने आप में अनूठा महोत्सव: सिंधु नदी के तट पर पनपी सभ्यता और संस्कृति के अद्भुत संगम को दर्शाता यह उत्सव कई दिनों तक चलता है। आज इस महोत्सव में देश ही नहीं दुनिया के कोने-कोने से लोग आकर इसमें हिस्सा लेते हैं। इस महोत्सव के दौरान सिंधु नदी दर्शन उत्सव और सिंधु नदी के पूजा-पाठ के साथ-साथ लद्दाख की परंपराओं और संस्कृतियों के सम्मान में किए जाने वाले कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाता है।

जुटते हैं कई धर्मों के विद्वान: धार्मिक समभाव और समरसता का उत्कृष्ट उदाहरण है सिंधु दर्शन महोत्सव। इस महोत्सव के दौरान सनातन धर्म, बौद्ध धर्म और सिख धर्म के विद्वान, आपस में मिल-जुलकर सिंधु नदी की साझी पूजा-अर्चना करते हैं और अपने फलने-फूलने में तरह-तरह से योगदान देने के लिए उसके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हैं।

विविध संस्कृतियों की झांकी: इस महोत्सव में देश के अलग-अलग कोनों से अलग-अलग संस्कृतियों की विशिष्ट मंडलियां अपनी उपस्थिति दर्शाकर गौरव और आनंद महसूस करते हैं। इस उत्सव के दौरान सिंधु नदी की पूजा-अर्चना की जाती है। फिर देश के अलग-अलग कोनों से आए कलाकार अपने-अपने क्षेत्र के विशिष्ट सांस्कृतिक कार्यक्रमों का प्रदर्शन करते हैं।

पवित्र नदियों के जल का संगम: इस महोत्सव में भारत की समस्त महान और पवित्र नदियों से मिट्टी के घड़ों में भरकर जल लाया जाता है और उस पवित्र जल को सिंधु नदी में विसर्जित किया जाता है। इस तरह समस्त भारत की नदियों से जल मिलाकर सिंधु को भारत की पवित्रतम नदी बनाकर उसे पूजा जाता है।

आयोजन की विशेष व्यवस्था: इस महोत्सव के लिए लद्दाख में एक विशेष परिसर निर्मित किया गया है। इस परिसर में 500 लोगों के बैठने का एक सभागार, एक ओपन थिएटर, एक एग्जीबिशन गैलरी, एक संगीत कक्ष और एक छोटी सी

लाइब्रेरी है, जिसमें सिंधु नदी की महिमा से जुड़ा विशेष साहित्य मौजूद है। इस महोत्सव में भाग लेने वाले लोग, यहां से लद्दाख के हस्तशिल्प से जुड़ी विभिन्न सामग्री खरीद सकते हैं।

महोत्सव का 29वां संस्करण: पहली बार दुनिया के धार्मिक और सांस्कृतिक परिदृश्य में यह महोत्सव तब उभर कर आया था, जब 1997 में इस महोत्सव के पहले संस्करण के दौरान यहां फिल्म 'दिल से' की शूटिंग हुई थी। इस साल इस महोत्सव का यह 29वां संस्करण है, जिसमें बड़े पैमाने पर पर्यटकों के आने की उम्मीद है। इस साल दो आयोजनों की रूपरेखा तैयार की गई है। जून की शुरुआत में 5 से 8 जून 2025 तक होने वाली सिंधु दर्शन यात्रा का आयोजन खत्म हो चुका है। अब कल यानी 23 जून से 26 जून 2025 के बीच आयोजित होने वाला सिंधु दर्शन महोत्सव का पर्यटक और संस्कृतिप्रेमी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

कुल मिलाकर, सिंधु दर्शन महोत्सव अपने सांस्कृतिक अनूठेपन, सर्व-धर्म समभाव और पर्यटन आधारित उत्सव का एक विशिष्ट मंच है। *

धार्मिक ही नहीं अखंडता का संदेश भी है

अमरनाथ यात्रा

अगले महीने से आरंभ हो रही वार्षिक धार्मिक अमरनाथ यात्रा की तैयारियां अपने अंतिम चरण में हैं। आस्था के साथ अखंड भारत का संदेश लिए इस बार की यात्रा कई मायने में विशिष्ट है।

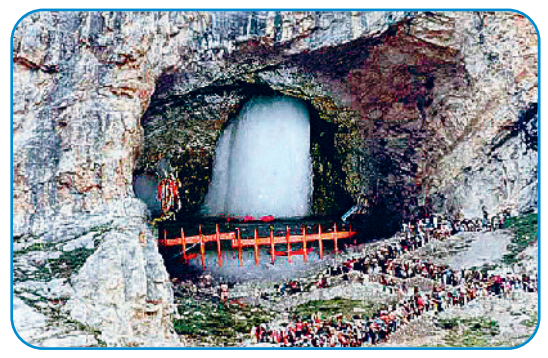

तीर्थयात्रा
एन.के. अरोड़ा

पहलगाम आतंकी हमले के बाद कई लोगों को लग रहा था कि इस साल अमरनाथ यात्रा के लिए बहुत कम लोग जाएंगे। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। चंडीगढ़, मोहाली और कई दूसरी जगहों पर इस यात्रा को लेकर पिछले सालों के मुकाबले कई गुना ज्यादा रजिस्ट्रेशन हुए। मोहाली में 2023 के मुकाबले 50 फीसदी से ज्यादा रजिस्ट्रेशन बढ़ा। 15 दिनों में 550 से ज्यादा रजिस्ट्रेशन हुए, जबकि पहले इतने रजिस्ट्रेशन 5 से 6 सप्ताहों में हुआ करते थे।

कम नहीं हुआ उत्साह: वास्तव में इस बार देश के कई हिस्सों में लोगों ने आतंकवाद से प्रतिरोध के तौर पर भी अमरनाथ यात्रा जाने का निश्चिय किया। क्योंकि कई श्रद्धालु इस बात से भी इस साल की यात्रा के लिए प्रेरित हुए हैं कि यह धार्मिक सेवा से कहीं ज्यादा देश सेवा होगी। बिहार से लेकर बंगाल तक कई लोगों ने यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन कराते हुए साफ कहा, 'मैं डरता नहीं हूं, हमारी सेना मजबूत है।' इन लोगों का यह भी कहना है कि इस तरह के हादसे हमारी यात्रा को प्रभावित नहीं करते और यह सच भी है। वास्तव में अमरनाथ यात्रा भले सदियों से हो रही हो, लेकिन इस साल की अमरनाथ यात्रा का बहुत ऐतिहासिक महत्व है। इस साल की अमरनाथ यात्रा दूसरे सालों से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण है। क्योंकि 22 अप्रैल 2025 की घटना से एक तरह से लोगों को मानसिक रूप से डराने की कोशिश की गई थी। लेकिन इसके बाद भी जिस तरह से लाखों श्रद्धालु यात्रा के लिए आगे आ रहे हैं, वह अपने आप में आतंक के खिलाफ एक धार्मिक प्रतिरोध की मिसाल है। खासतौर पर पंजाब, यूपी, दिल्ली, महाराष्ट्र और बिहार राज्यों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने रजिस्ट्रेशन कराकर आतंकवाद को मुंहतोड़ चुनौती दी है।

सरकार भी है मुस्तैद: सरकार भी अमरनाथ यात्रा के लिए किसी तरह की कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती। ऑपरेशन सिंदूर के बाद जिस तरह से सीआरपीएफ, बीएसएफ, सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस की संयुक्त तैनाती हो रही है, जिस तरह से ड्रोन सर्विलांस, एआई आधारित ट्रैकिंग, हाईवे सुरक्षा और बेहतर मेडिकल इंफ्रास्ट्रक्चर जैसी व्यवस्थाएं की जा रही हैं, उससे पता चलता है कि सरकार अमरनाथ यात्रा को लेकर पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। केंद्र सरकार, जम्मू-कश्मीर प्रशासन और धार्मिक संगठनों ने भी लगातार संदेश दिया है कि आतंकवाद के आगे आस्था घुटने नहीं टेक सकती। इस साल की यात्रा इसलिए ऐतिहासिक है, क्योंकि यह दिखाएगी कि कश्मीर घाटी में आम लोगों की सोच आतंक के खिलाफ बदल रही है और धार्मिक सहिष्णुता को नया समर्थन मिल रहा है।

डरे नहीं तीर्थयात्री: भक्तों की आस्था का ही बल है कि कितना भी उन्हें डराने का प्रयास किया जाता रहा हो लेकिन देश के लोगों ने कभी भी अमरनाथ की यात्रा करना नहीं छोड़ा, क्योंकि अमरनाथ यात्रा केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि देश के आत्मबल का संदेश भी है। इसलिए अगर 2025 की यात्रा पिछले सालों से कहीं ज्यादा श्रद्धालुओं से भरी-पूरी हो तो आश्चर्य नहीं होना चाहिए। *

यात्रा की प्राचीन परंपरा

अमरनाथ यात्रा का इतिहास बहुत पुराना है। इसके प्रमाण शिव पुराण जैसे धार्मिक ग्रंथ में मिलते हैं। भगवान शिव ने माता पार्वती को अमरकथा सुनाने के लिए जिस स्थान का चयन किया था, वह अमरनाथ गुफा ही थी। अगर इस यात्रा को ऐतिहासिक दृष्टि से देखें तो पहली बार इसका उल्लेख 11वीं सदी में कश्मीरी इतिहासकार कल्हण के 'राजतरंगिणी' में मिलता है।

बिहेवियर
शिखर चंद जैन

जब भी कोई हमारी आलोचना या बुराई करता है तो बुरा लगता ही है। लेकिन हर छोटी-छोटी बात पर बुरा मानकर रिएक्ट करना या उदास होना सही नहीं। ऐसे में क्या करें, आपको जरूर जानना चाहिए।

क्या करें, जब कोई करे आलोचना

अनिकेत बेहद भावुक युवक है। कोई उसकी जरा सी बुराई कर दे या उसके काम में कमी निकाल दे तो वह घंटों तक उदास रहता है। उसका मूड ऑफ हो जाता है और रूटीन पूरी तरह डिस्टर्ब हो जाता है। जबकि उसका बेस्ट फ्रेंड दीपांशु उसे हमेशा समझाता है कि हर किसी की बात को दिल पर नहीं लेना चाहिए। हमें खुद की प्रतिभा और निर्णय क्षमता पर विश्वास रखना चाहिए। दूसरों द्वारा कही गई बातों को दिल से लगाकर बैठने के बजाय अगर हम खुद में कुछ सकारात्मक बदलाव लाएं तो इस तरह के सिचुएशंस को आसानी से हैंडल कर सकते हैं।

अहंकार ना करें: कई बार लोग स्वयं को परफेक्ट और किसी भी प्रकार की कमी से ऊपर मानते हैं। ऐसे में कोई कुछ कह दे तो उनके अहं पर चोट पहुंचती है। 'अमुक व्यक्ति की हिम्मत कैसे हुई मुझे ऐसा कहने की? क्या वह जानता नहीं कि मैं कौन हूं?' इस तरह के भाव और विचार उसे उद्वेलित कर देते हैं। ऐसे में वह व्यक्ति स्वयं के व्यर्थ अहंकार पर काबू पा ले और समझ ले कि दुनिया में कोई भी परफेक्ट नहीं होता, तो किसी के द्वारा की गई छोटी-छोटी आलोचनाओं पर वह दुःखी नहीं होगा।

लोगों का काम है कहना: एक मशहूर फिल्मी गीत है 'कुछ तो लोग कहेंगे, लोगों का काम है कहना।' अगर कोई बेवजह, सिर्फ आपको नीचा दिखाने या दुःखी करने के लिए आपमें कमियां निकाले तो ऐसी सिचुएशन में इस लोकप्रिय गीत को अपना मूल मंत्र बना लीजिए। अगर कोई आपकी आलोचना करे तो उत्तेजित होकर उससे उलझने के बजाय उसे तर्कपूर्ण जवाब दें। हो सके तो उसे नजरअंदाज करें।

चर्चा से मतभेद दूर करें: धैर्य रखना और भावनाओं की अभिव्यक्ति का सही तरीका मालूम होना, बेहद जरूरी कौशल है। कोई व्यक्ति आपसे विरोध जताता है या आपकी आलोचना करता है तो उसे पूरी तरह नकारने की बजाय बैठकर चर्चा करें। अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखते हुए उसकी बात पर विचार करें और उसके द्वारा की जा रही आलोचना के निश्चित बिंदुओं पर उससे विमर्श करें। यहां विमर्श का उद्देश्य उसे फटकारना, दुत्कारना या नीचा दिखाना नहीं बल्कि उसके द्वारा की जा रही आलोचना की वजह और उसके मन को समझना होना चाहिए। यहां आपको यह भी समझना होगा कि कहीं आलोचक के मन में आपके प्रति कोई दुर्भावना तो नहीं। अगर ऐसा है तो आप तर्कों के सहारे भी उसे अपनी बात नहीं मनवा सकेंगे। इसलिए कोई कोशिश करना ही व्यर्थ होगा।

फीडबैक के लिए कहें थैंक्स: अकसर लोग पूर्वाग्रह की वजह से किसी निष्पक्ष आलोचक की हर बात को

नकारात्मक रूप में ले लेते हैं। जबकि कई बार सामने वाला इंसान हमें हमारी वास्तविक कमियां इसलिए बताता है, ताकि हम अपनी कमियों को दूर कर और अधिक बेहतर कर सकें। ऐसे में खुले मन से बातें सुनकर आप किसी के द्वारा दिए गए फीडबैक को अपनी बेहतरी के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं। आपको फीडबैक देने वाले के प्रति कृतज्ञता भी जाहिर करनी चाहिए। आपके इस एटीट्यूड से लोगों को लगेगा कि आप उनके दिए हुए फीडबैक से चिढ़ते नहीं हैं बल्कि शांत भाव से सुनते हैं। तभी वे आगे भी आपके सामने अपनी राय बेबाकी और निष्पक्षता से जाहिर करेंगे।

ये चार स्टेप्स हैं जरूरी: जब कोई आपकी आलोचना करे तो आप यहां बताए जा रहे चार स्टेप्स को फॉलो करके आलोचना के नकारात्मक प्रभाव से बच सकते हैं।

- आलोचक को जवाब देने से पहले शांत होकर बैठ जाएं। अगर कुछ कहना चाहते हैं तो शब्दों के चयन में नरमी बरतें।
- अपने प्रति किसी की आलोचनात्मक बातें सुनकर गुस्सा आ जाए तो तुरंत रिएक्ट ना करें। सोच-समझ कर बाद में जवाब दें।
- अपने रूटीन को किसी आलोचक की वजह से बाधित न होने दें। ध्यान रहे, किसी के विचार आप पर इतने हावी ना हों कि वह आपको डिस्टर्ब कर दें।
- आमतौर पर आप बुराई करने वालों को इग्नोर करने की नीति अपनाएं। लेकिन पानी सिर से ऊपर निकल जाए तो स्पष्ट रूप से कह दें- कृपया आप मेरे बारे में कोई टिप्पणी न करें। *

अपने करियर के व्यस्ततम और सफलतम दौर से गुजर रहीं नीना गुप्ता अभिनीत 'पंचायत' वेब सीरीज का चौथा सीजन 24 जून को प्राइम वीडियो पर रिलीज होने वाला है। इस मौके पर इस सीरीज के पहले के सीजंस की सक्सेस, करियर और पर्सनल लाइफ से जुड़ी नीना से लंबी बातचीत हुई। प्रस्तुत है नीना गुप्ता से हुई उस बातचीत के प्रमुख अंश।

मैं नेगेटिव किरदार कभी नहीं निभाऊंगी : नीना गुप्ता

खास मुलाकात / पूजा सामंत

'पंचायत-सीजन 4' रिलीज हो रही है। 'पंचायत' के इस सीजन में ऐसा क्या नया होगा, जो पहले 3 सीजन में नहीं था?

मैं बतौर लीड आर्टिस्ट इस पॉपुलर वेब सीरीज का शुरू से हिस्सा रही हूं। इसके मेकर हैं अमेजॉन प्राइम और लेखक हैं चंदन कुमार। चंदन कुमार ही हर सीजन में अपनी कलम से इसे एक नया आयाम देते हैं। इसलिए 'पंचायत 4' में क्या नया फ्लेवर होगा, यह तो चंदन कुमार ही बता सकते हैं। हां, मैं इतना जरूर कह सकती हूं कि इस बार यह काफी ह्यूमरस है। सेट पर कई मर्तबा ऐसा हुआ कि निर्देशक विजय वर्गीय और दीपक कुमार मिश्रा को शूटिंग रोकनी पड़ती थी, क्योंकि सेट पर मौजूद हम सभी हंस-हंस कर लोट-पोट हो जाते थे।

'पंचायत' के अब तक के सभी सीजन में आपके को-एक्टर जितेंद्र कुमार रहे हैं। उनके बारे में कुछ बताइए।

जितेंद्र कुमार से तो फिल्म 'शुभ मंगल सावधान' के दौरान ही अच्छी दोस्ती हो गई थी। उस वक्त शूटिंग के लिए हम दोनों बनारस के एक ही होटल में रुके हुए थे। जब भी कलाकार किसी फिल्म या प्रोजेक्ट के लिए आउटडोर में एक साथ शूटिंग करते हैं, तो अकसर उनमें अच्छी बॉन्डिंग हो जाती है। 'पंचायत' की काफी शूटिंग हमने मध्य प्रदेश के सीहोर जिले के महोड़िया गांव में की। जितेंद्र से दोस्ती तो पहले से थी, अब हम एक-दूसरे को ज्यादा अच्छी तरह समझने लगे हैं। जब कलाकारों में अच्छी मित्रता हो तो वह कैमरे में भी झलकता है, परफॉर्मेंस बेहतर होती है।

'पंचायत' के एक दृश्य में जितेंद्र कुमार एवं साथी कलाकारों के साथ नीना गुप्ता

'पंचायत' की मंजू देवी का किरदार खूब पॉपुलर हुआ। इस किरदार से आपको एक अलग और नई पहचान मिली। इस पॉपुलैरिटी को कैसे देखती हैं आप?

मैंने जब से 'पंचायत सीजन 1' किया है, मुझे दर्शक उस समय से 'मंजू देवी' के नाम से जानने लगे हैं, यह मेरी नहीं मंजू देवी किरदार की पॉपुलैरिटी है। मैं देश के किसी भी कोने में जाऊं, मुझे देखकर दर्शक मंजू देवी नाम से पुकारने लगते हैं। हर वर्ग के दर्शकों का प्यार मेरे इस किरदार 'मंजू देवी' को मिला और मिल रहा है।

आपने 'पंचायत' में नेता का किरदार निभाया है, क्या कभी वास्तविक जीवन में आपको नेता बनने का यानी राजनीति में आने का ऑफर मिला है?

हां, मुझे राजनीति में शामिल होने का कई बार ऑफर मिला, लेकिन मैंने मना कर दिया। मुझे राजनीति की कोई समझ-बूझ है नहीं, तो वहां जाकर मैं करूंगी क्या? लेकिन जहां तक इस शो 'पंचायत' की बात है, मैंने इस शो में नेता बनना, बड़ा एंज्वॉय किया।

आपने अपने एक्टिंग करियर में कई तरह के किरदार निभाए हैं। क्या आप कभी नेगेटिव किरदार में भी नजर आएंगी?

बिल्कुल नहीं! कभी भी नहीं! मैंने अब तक के अपने करियर में सिर्फ एक ही बार नेगेटिव किरदार किया, जिसका मेरे करियर पर बहुत बुरा असर पड़ा। दरअसल, हमारे यहां लोग नेगेटिव, पॉजिटिव कंपार्टमेंट बना देते हैं। नेगेटिव से पॉजिटिव, यह शिफ्टिंग होना आसान नहीं है। एक कलाकार में असीमित संभावनाएं हो सकती हैं। लेकिन इंडस्ट्री कलाकारों को कैटेगरी में डाल देती है, यह गलत है। मेरी राय में एक महिला कलाकार को कभी कॉमेडियन या नेगेटिव किरदार नहीं करने चाहिए।

कभी आपने 'सांस', 'कमजोर कड़ी कौन' जैसे शो का निर्देशन किया था। अब आप निर्देशन से दूर क्यों हो गईं?

अब, जब मेरा एक्टिंग करियर बहुत अच्छा चल रहा है, ऐसे में निर्देशन करना यानी खुद का ध्यान भटकाने वाली बात लगेगी। मुझे अभी एक्टिंग पर ही फोकस करना है।

आप अपने करियर से कितनी सैटिस्फाइड हैं?

मैं अपने मौजूदा एक्टिंग करियर से खुश हूं। फिल्म और ओटीटी में मुझे बेहतरीन रोल मिल रहे हैं। मेरे टैलेंट का सही इस्तेमाल पहले नहीं हो पाया, लेकिन उस बारे में मेरे दिल में अब कोई मलाल नहीं है। हां, कभी किसी अन्य कलाकार को जब उम्दा रोल मिलता है तो मैं जेलस हो जाती हूं, क्योंकि मैं अच्छे काम, अच्छे किरदारों की भूखी हूं।

कुछ समय पहले ही आपकी बेटी मसाबा मां बनी हैं और आप बन गईं नानी। आपको नानी बनकर कैसा लग रहा है?

बेहद खुश हूं, जीवन की इस अनुभूति से। मुझे लगता है मैं उस नन्ही गुड़िया की मां हूं, नानी नहीं। वैसे भी, मुझे 'नीना' कहलाना ही पसंद है, 'नानी' नहीं (हंसते हुए)।' *

मसाबा के साथ करती हूं गॉसिपिंग

गॉसिप करना 'पंचायत' सीरीज का महत्वपूर्ण हिस्सा है। क्या नीना अपनी पर्सनल लाइफ में भी गॉसिप करती हैं? पूछने पर वह झट से कहती हैं, 'मैं अपनी बेटी मसाबा के साथ गॉसिप करती हूं। गॉसिप के लिए कोई एक विषय या कोई एक व्यक्ति हमारा टार्गेट नहीं होता। हमारे इर्द-गिर्द जो भी घटता है, जिन अनुभवों से हम गुजरते हैं, उनके हर पहलू के बारे में गपशप करना, यही हम मां-बेटी की गॉसिप होती है। हम मां-बेटी गॉसिपिंग का खूब मजा लेते हैं।'